अखिलेश चुनाव में हार से बचने.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 137 | गाजियाबाद / गुरूवार 20 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

जेन जी को साधने में लगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

● तीन दिन की समन्वय बैठक में तय किया जाएगा रोडमैप ● युवाओं को केंद्र में रखकर रोजगार, शिक्षा पर चर्चा होगी ● नशा मुक्ति और जनसांख्यिकीय असंतुलन भी प्रमुख मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर के साथ ही रांची में हुए छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी जोर युवाओं की ओर बढ़ा है। इसलिए 19 से 21 अगस्त के बीच विशाखापत्तनम में सरसंघचालक व सरकार्यवाह की मौजूदगी में भाजपा, एबीवीपी समेत 32 संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की अखिल भारतीय समन्वय बैठक होने जा रही है।

इस बैठक में युवाओं को केंद्र में रखते हुए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रति वर्ष होने वाली इस समन्वय बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय अधिकारियों की विशेष

मौजूदगी रहेगी। कुल 327 प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है। इस बैठक में युवा आंदोलनों के साथ शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी दिक्कतों व अपेक्षाओं के साथ उनके लिए बड़ा मुद्दा बन रहे रोजगार पर भी चर्चा होगी। स्वरोजगार प्रेरित करने पर भी जोर होगा। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को अब युवा लक्षित करने पर विशेष जोर है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं, आने वाले समय में सभी संगठन उस दिशा में क्या कर सकते हैं, इस पर भी बैठक में चर्चा होगी। नशा मुक्ति के साथ ही युवाओं में जागृति लाने के लिए अन्य विषयों पर भी विचार विमर्श होगा। बैठक में देश की वर्तमान स्थिति, सामाजिक परिवर्तन और समस्याओं के समाधान की समीक्षा की जाएगी। जनसांख्यिकीय असंतुलन, डेमोग्राफिक बदलाव के परिणामों और उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श होगा।

संघ के प्रति बढ़ा युवाओं का आकर्षण

संघ शताब्दी वर्ष में युवाओं का आरएसएस के प्रति आकर्षण बढ़ा है। संघ की वेबसाइट पर ज्वॉइन आरएसएस के माध्यम से वर्ष 2025 में जनवरी से जुलाई के बीच 55 हजार 423 लोगों ने संघ से जुड़ने के लिए पंजीकरण करवाया था। 2026 में इसी अवधि के बीच यह संख्या ढाई गुना बढ़कर एक लाख 23 हजार 287 हो गई है। जुलाई 2025 में इनकी संख्या 9718 रही, जबकि जुलाई 2026 में 24 हजार 86 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 30 वर्ष से कम आयु के युवा करीब 65 प्रतिशत हैं।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों का आंदोलन हो गया खत्म

● सरकार के निर्णय के बाद प्रदर्शनकारियों ने लिया फैसला

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन समाप्त हो गया। बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। हालांकि दूसरे गुट के छात्र आगे की रणनीति पर बैठक

कर रहे हैं और जल्द ही उनकी ओर से भी आंदोलन को समाप्त किए जाने की घोषणा किए जाने का संकेत दिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंचके छात्र नेता रामावतार महतो ने फिलहाल अपने प्रदर्शन को समाप्त करने की। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से पिछले 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मंच की सभी प्रमुख मांगों को मान लिया है। छात्र हित में सरकार की ओर से लिए गए फैसले के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। प्रदर्शनकारी नेता रामावतार ने कहा कि सरकार की ओर से सभी फैसला छात्र हित में लिया गया है और यह फैसला ऐतिहासिक है।

कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

● 9 लोगों की मौत, इनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1.45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की

हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

● सुप्रीम कोर्ट का आदेश,कहा-असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना

● कोर्ट ने कहा-उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस

आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ इसमें सेंध लगाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में

पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है।

बिहार में छात्रों के समर्थन में आरजेडी का प्रदर्शन

● तेजस्वी यादव हिरासत में लिए गए,वाटर कैनन चलाई गई

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि मैं जेल से

डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था।

मीसा भारती ने कहा- डीएम को हटाए जाने तक हम डटे रहेंगे

प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में राजद की नेता मीसा भारती ने कहा कि राजद कार्यकर्ता और बिहार के छात्र जेल जाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सीवान के डीएम को सस्पेंड नहीं किया जाता है, तब तक हम डटे रहेंगे। वाटर कैनन के इस्तेमाल के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये तो बहुत छोटी बात है, अगले कुछ दिनों में सरकार बंदूकों का इस्तेमाल करती भी दिखाई दे सकती है। इससे पहले मीसा भारती ने कहा, छात्रों के साथ जो अन्यया हुआ है, आज कम से कम बीस से पच्चीस दिन गुजर गए हैं, फिर भी सरकार नींद से नहीं जानी है।

● ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले-पहले नोटिस देंगे,3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य सरकार 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू करने वाली है, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' नहीं है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने

पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। परिवहन की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता

सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर ग्रुप में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना

सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

डाकिए का इंतजार खत्म! आसमान से पहुंचेगी चिट्ठी-पार्सल

● असम और हिमाचल में ड्रोन सेवा की शुरुआत, व्यवस्था का विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दराज के गांवों तक डाक पहुंचाने का तरीका बदलने जा रहा है। पहाड़ों और मुश्किल रास्तों के बीच अब डाक का इंतजार कम होगा। इंडिया पोस्ट ने दुर्गम इलाकों में डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में 12 जून से मंडी-रेहड़धार मार्ग पर इसकी शुरुआत हुई और अब असम में भी पहली ड्रोन उड़ान के साथ इस व्यवस्था का विस्तार किया गया है। विभाग का लक्ष्य असम और हिमाचल प्रदेश में करीब 150 निर्धारित मार्गों पर ड्रोन आधारित डाक सेवा शुरू करना है।

असम में पहली बार ड्रोन से पहुंची डाक- द ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, असम में इस सप्ताह पहली बार डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन उड़ाया गया। यह पहल उन इलाकों को ध्यान में रखकर की गई है, जहां खराब सड़क, लंबी दूरी, बाढ़ या कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण

सड़क मार्ग से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है। प्रस्तावित नेटवर्क में अकेले असम के करीब 40 मार्ग शामिल हैं। इसका मकसद दूर-दराज के क्षेत्रों में डाक सेवा को तेज और अधिक भरोसेमंद बनाना है।

सड़क बंद तो भी पहुंच सकता है डाक का बैग- अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का विचार सरल है। जिन रास्तों पर सड़क से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है, वहां ड्रोन तय मार्ग से सीधे डाक का बैग पहुंचा सकते हैं। इससे मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक पहुंच बेहतर हो सकती है। खासकर असम में मौसमी बाढ़ और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और पहाड़ी भूभाग के कारण प्रभावित होने वाले मार्गों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

दूर गांवों तक तेज कनेक्टिविटी की उम्मीद

इंडिया पोस्ट के लिए असम में पहली ड्रोन उड़ान इस प्रयोग के अगले चरण की शुरुआत है। इसके संभावित फायदे भी बड़े हैं। ड्रोन यात्रा का समय घटा सकते हैं। मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक डाक पहुंच बेहतर हो सकती है।

ड्रोन की उड़ान आसान लेकिन खर्च बड़ी चुनौती

हालांकि, इस बदलाव के सामने कई चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती लागत की है। इंडिया पोस्ट इस सेवा के संचालन के लिए निजी कंपनी के साथ काम कर रहा है। ऐसे में हर ड्रोन उड़ान और हर डाक बैग को पहुंचाने की लागत का आंकलन जरूरी होगा। ड्रोन के रखरखाव, कर्मचारियों, बैटरी, बीमा, तकनीक और खराब मौसम के कारण उड़ान प्रभावित होने जैसी लागत भी इसमें शामिल हो सकती है। इसलिए तेज डिलीवरी अपने आप सस्ती डिलीवरी नहीं होगी। पूरे तंत्र को लंबे समय तक चलाने की आर्थिक व्यवहार्यता भी इस प्रयोग की सफलता का अहम पैमाना होगी।

बिहार को एक और अमृत भारत की मिली सौगात

● भागलपुर को अहमदाबाद से जोड़ेगी जनरल डिब्बे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार को एक और अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन दक्षिण बिहार के भागलपुर को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ेगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस ट्रेन की शुरुआती यात्रा आगामी 26 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होगी। हम बता रहे हैं इस ट्रेन का टाइम टेबल, चलने का दिन और स्टॉपेज के बारे में। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से भागलपुर के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिलेगी।

इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी की माला चढ़ी हुई तस्वीर, बीजेपी ने की थाने में शिकायत

रांची (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट के विरुद्ध बीजेपी ने रांची के साइबर थाने में लिखित शिकायत की है और आरोपितों के विरुद्ध इंटरनेट मीडिया पर अमर्यादित सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस मामले में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश चौहान नाम के अकाउंट से पीएम मोदी के चित्र पर माला चढ़ी हुई तस्वीर व इससे जुड़ी सामग्री पोस्ट की गई है। उसमें अंतिम संस्कार से संबंधित शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है।एक जीवित प्रधानमंत्री को मृत दर्शाना अत्यंत गंभीर व आपत्तिजनक है। मीडिया रिपोर्ट अजय साह ने पुलिस से मांग की है कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की आइपी लाग, लागिन हिस्ट्री, डिवाइस डिटेल, लिंक्ड मोबाइल नंबर, ईमेल, मेटा डाटा व अन्य डिजिटल साक्ष्य को विधि के मुताबिक सुरक्षित रखा जाए और सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए। इधर, साइबर थाना रांची का कहना है कि शिकायत मिली है, उसका सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद उस आवेदन पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पूरे मामले को संवेदनशील होकर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में दो दिन में दो होटलों में लगी आग से 18 की मौत, मचा हड़कंप

-कई मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज कराने भारत आए थे, जांच शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लगातार दो बड़े होटलों में अग्निकांड से हड़कंप मच गया है। कोलकाता और बीरभूम जिले के धार्मिक स्थल तारापीठ में हुई अलग-अलग आग की दुर्घटनाओं में कुल 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस और अग्निशमन विभाग दोनों मामलों में होटल प्रबंधनों द्वारा फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन की गहन जांच कर रहे हैं। होटल में ठहरे कई मेहमान बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए कोलकाता आए थे। बचाव दल मौके पर पहुंचे और इमारत से कई लोगों को बाहर निकाला। रात 3 बजे के बाद, 9 लोगों को बचाया गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फायर विभाग ने बताया कि सभी मृतक बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए शहर में आए थे। अधिकारी इन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि होटल में आग से सुरक्षा के पर्याप्त उपाय और उचित इंतज़ाम नहीं थे। अधिकारियों ने अभी तक आग लगने के सही कारण का पता नहीं लगाया है। जांच जारी है। कोलकाता में आग की यह घटना बंगाल के बीरभूम ज़िले के एक होटल में लगी आग के ठीक एक दिन बाद हुई है। सोमवार को तड़के करीब 4 बजे तारापीठ में चार मंज़िला होटल के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई, जब ज़्यादातर मेहमान सो रहे थे। आग की लपटें दूसरी मंज़िल तक फैल गईं, जबकि घने धुएं ने इमारत के ऊपरी हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई मेहमान अपने कमरों में फंस गए। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें मेघालय के एक परिवार के 5 सदस्य भी शामिल थे। पुलिस ने होटल के मालिक कल्याण पाल समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई होटल में आग से सुरक्षा नियमों के संभावित उल्लंघन की जांच के तहत की गई है।

जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन

-सर्जियो के साथ बैठक से पहले सीएम उमर बोले- दूसरे से शिकायत करना गलत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठक से पहले एक साफ कूटनीतिक दायरा तय किया और अटकलों को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान नई दिल्ली करेगी, न कि वॉशिंगटन। बुधवार सुबह श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने साफ किया कि हालांकि वह स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, लेकिन वह इस बैठक का इस्तेमाल किसी विदेशी राजनयिक के सामने भारत की शिकायत करने के लिए बिल्कुल नहीं करेंगे।

अब्दुल्ला ने साफ कहा कि वॉशिंगटन हमारी समस्याओं का समाधान नहीं करेगा। हमारी केंद्र सरकार को ही हमारी समस्याओं का समाधान करना होगा। किसी दूसरे देश के राजदूत से शिकायत करना गलत होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रीनगर में अमेरिकी राजदूत के साथ बुधवार को प्रस्तावित बैठक में अंतरराष्ट्रीय मुलाकातों के लिए तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। उमर ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर और वहां के हालात के बारे में बात करूंगा, लेकिन शिकायत नहीं करूंगा। मैं उनसे अपनी समस्याओं का समाधान खोजने की कोशिश भी नहीं करूंगा। यह देखते हुए कि 15 से ज्यादा सालों में यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर का कोई मौजूदा सीएम किसी मौजूदा अमेरिकी राजदूत से मिल रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि ज़्यादातर, मैं उनकी बात सुनना पसंद करूंगा। हालांकि वह भी सुनने ही आ रहे हैं।

यह हाई-प्रोफाइल मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियां राज्य का दर्जा पूरी तरह बहाल करने और संवैधानिक गारंटी की सक्रिय रूप से मांग कर रही हैं, जहां विश्लेषक इस बैठक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम संदेश के तौर पर देख रहे हैं क्योंकि गोर दक्षिण और मध्य एशिया के लिए वॉशिंगटन के विशेष दूत की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं सीएम अब्दुल्ला ने अपने संबोधन में विदेशी मध्यस्थता या आंतरिक मतभेदों से जुड़ी किसी भी अटकल को पहले ही शांत करने की कोशिश की।

राहुल, सोनिया और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दें, तब कांग्रेस में शामिल होऊंगा

पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भारतीय जनता पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने फैसले की वजह खुलकर आर्थिक और व्यक्तिगत कारणों को बताया है, जिसका जिक्र उन्होंने हाल ही में इंटरव्यू में किया था। हालांकि, भाजपा ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

पूनावाला ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को कोई वेतन नहीं देते, जबकि उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतों जैसे मकान किराया आदि का भुगतान करना होता है। उन्होंने कहा, मेरा मकान मालिक घर इसलिए मुफ्त में नहीं दे देगा, क्योंकि मैं भाजपा से हूं। वहां हर महीने की 1 तारीख को किराया मांगता है। उन्होंने जोड़ा कि किसी राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना नौकरी नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, व्यक्ति या संगठन के प्रति प्रेम का परिणाम होता है। उन्होंने बताया कि वह 2024 से ही इस्तीफे पर विचार कर रहे थे और इस दौरान कई नेताओं ने उनसे संपर्क भी साधा था।

कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर पूनावाला ने भले ही सीधे इंकार किया हो, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो अवास्तविक लगती हैं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में तभी शामिल हो सकते हैं, जब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को हटा दिया जाए और नेहरू के कार्यों के लिए माफी मांगी जाए। खास बात यह है कि पूनावाला स्वयं 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी वैचारिक निष्ठा दिखाकर कहा कि पीएम मोदी से बड़ा नेता इस देश में न कोई हुआ है और न ही कोई होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा इस समय भारत की सबसे अच्छी पार्टी है और राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर काम करने के बाद वह किसी अन्य पार्टी से जुड़ने के बारे में नहीं सोचते। उनके त्याग पत्र में भी आर्थिक मजबूरियों का हवाला देकर मोदी जी के विजन के समर्थन की बात कही गई है।

नोएडा की ईस्टर्न हेरिटेज कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-A के अनुपालन में ईस्टर्न हेरिटेज में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-A के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए और मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है ।

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर दिया धरना

कैशलेश चिकित्सा सुविधा समेत 11 सूत्रीय मांगों का मांगपत्र सौंपा

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ के आह्वान पर सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षणेत्तर और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना दिया। इस दौरान कर्मचारियों ने कैशलेश चिकित्सा सुविधा समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा।

प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा के निर्देश पर आयोजित धरने में कर्मचारियों ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जा रहा है, जबकि शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया है। उन्होंने सभी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी समान रूप से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक पद पर पदोन्नति, अवकाश नकदीकरण, पुरानी पेंशन बहाली, प्रबंध समिति में भागीदारी, पदोन्नति में 22-बी का लाभ और लिपिकीय वर्ग की वेतन विसंगति दूर करने जैसी मांगें लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित हैं।

इसके अलावा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को कोषागार के माध्यम से नियमित वेतन देने और उनके शोषण पर रोक लगाने की मांग भी उठाई गई। जिला समन्वयक मुकेश सिन्हा, जिलाध्यक्ष अंशुल शर्मा, जिला मंत्री योगेश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष जिवेनदर कुमार, अनुराग भारद्वाज, सतेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, अनुज चतुर्वेदी सहित अन्य वक्ताओं ने कर्मचारियों से एकजुट होकर अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक संगठन आंदोलन जारी रखेगा। धरने की अध्यक्षता मुकेश सिन्हा ने की और संचालन अनुज चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

अखिलेश चुनाव में हार से बचने कांग्रेस को 300 सीटें देने का बना रहे प्लान

-बीजेपी और एनडीए सहयोगियों ने सपा प्रमुख पर किया जोरदार हमला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच जुबानी जंग जारी है। अखिलेश यादव बीजेपी और एनडीए सहयोगियों- आरएलडी, अपना दल और सुभासपा और निषाद पार्टी पर हमलावर हैं। इस बीच अब बीजेपी ने सपा प्रमुख पर उन्हीं के अंदाज में पलटवार किया है। बीजेपी का दावा है कि अखिलेश चुनाव में हार की जिम्मेदारी से बचने के लिए कांग्रेस को करीब 300 सीटें देने का प्लान बना रहे हैं। इसके अलावा अपना दल नेता आशीष पटेल ने भी सपा पर निशाना साधा है।

बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि अखिलेश के पारिवारिक विवाद ने समाजवादी पार्टी की गुप्त योजनाओं को सार्वजनिक कर दिया है। उन्होंने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि 2027 विधानसभा चुनाव में हार का ठीकरा अपने ऊपर न फूटे, इसलिए सपा कांग्रेस को करीब 300 सीटें सौंपने जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि हार का मेडल राहुल गांधी के सिर बंधे और अखिलेश जिम्मेदारी से बच जाएं।

इससे पहले अखिलेश ने बीजेपी और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए सूत्रों के हवाले से एनडीए का सीट बंटवारा फॉर्मूला साझा किया था। उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी पीडीए के दबाव में रालोद को 73, सुभासपा को 39, निषाद पार्टी को 31 और अपना दल को 19 सीटें देने की योजना बना रही है। अखिलेश ने कहा था कि यह योजना पीडीए की जनसंख्या अनुपात से बहुत कम है और पूरी तरह विफल साबित होगी।

अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा-परीक्षा घपलों, फर्जी मुकदमों, बुलडोजर कार्रवाई और 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण प्रभावित करने जैसी नीतियों से जनता त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना लाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बदहाल करने और संविधान बदलने की साजिश करने वालों को जनता नकार चुकी है। उन्होंने नारा दिया कि आज हर जन कह रहा है कि उन्हें बीजेपी नहीं चाहिए।

वहीं, अखिलेश के एनडीए के सीट बंटवारा फॉर्मूले पर अपना दल ने भी पलटवार किया। अपना दल नेता आशीष पटेल ने सपा प्रमुख के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ट्वीट और रीट्वीट का खेल नहीं खेलती है। वह जमीन पर जनता के बीच काम करने और गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े रहने में विश्वास करते हैं। पटेल ने कहा कि एनडीए पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रहा है और इसी हकीकत से परेशान होकर सपा नेता दूसरों के शब्दों को अफवाह बताते-बताते खुद अफवाहों के वाहक बन रहे हैं।

सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके : रेणुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, वंदे मातरम विवाद और राजनीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे सवाल किए। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी द्वारा चंपत राय को क्लीन चिट देने पर कहा कि ये पहले ही अपेक्षित था कि बड़े लोगों को बचाने के लिए निचले स्तर पर काम कर रहे लोगों को कुर्बान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये तो होना ही था। हमें पहले से पता था कि यही होने वाला है। छोटे-मोटों को कुर्बान कर देंगे और चंपत राय को बचा लेंगे। उन्होंने कहा कि सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके। ये भूल गए कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मर्यादा से खिलवाड़ करेंगे तो ये बच जाएंगे। उनका श्राप इनको ही लगा है। बता दें मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दे दी है। मंदिर में दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा दोनों ने 27 जून को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मंदिर में दान प्रबंधन और संग्रह से संबंधित जांच के लिए एसआईटी ने दोनों से पूछताछ की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वंदे मातरम के पूरे गीत को राजनीतिक और हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देखे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उस समय जो माहौल था, उस कारण से फैसला हुआ था। आज ये लोग किस कारण से कर रहे हैं, वही जानें और भगवान जाने। वैसे तो भगवान राम भी इनसे हटकर बैठे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर रेणुका चौधरी ने कहा कि एक लोकतंत्र में हम कोई हाथ-ज्योतिषी बनकर नहीं कह सकते हैं।

कुंभ मेला तैयारियों को लेकर मेलाधिकारी ने बैरागी कैंप, दक्षद्वीप और कनखल क्षेत्र का किया निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को गति देने के लिए मेला प्रशासन ने अवस्थापना विकास कार्यों की निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका ने बुधवार को बैरागी कैंप, दक्षद्वीप और कनखल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग तथा हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे निर्माण, सड़क, सौंदर्यीकरण और अन्य विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए।

कनखल क्षेत्र में उन्होंने सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण करते हुए प्रमुख मार्गों और धार्मिक स्थलों के आसपास बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और आकर्षक वातावरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे, इसलिए सुविधाओं को समय रहते दुरुस्त किया जाना आवश्यक है।

मेलाधिकारी ने आईरिस सेतु से बैरागी कैंप, विश्व कल्याण आश्रम और मातृ सदन आश्रम होते हुए ज्वालापुर-लक्सर-पुरकाजी राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाले करीब 6.74 किलोमीटर लंबे मार्ग के नवीनीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए 391.32 लाख रुपये स्वीकृत हैं। उन्होंने सड़क निर्माण में गुणवत्ता के उच्च मानक बनाए रखने, फुटपाथ को उचित ऊंचाई पर बनाने, अतिक्रमण हटाने तथा मार्ग के दोनों ओर पौधरोपण और योजनाबद्ध सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बैरागी कैंप और दक्षद्वीप के बीच निमार्णाधीन दो लेन पुल का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद जगजीतपुर फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए दक्षद्वीप पार्किंग को हरिद्वार बाईपास से जोड़ने के प्रस्ताव की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि पार्किंग को राजमार्ग की सर्विस लेन से जोड़ने के लिए 44 मीटर लंबे अस्थायी पुल का प्रस्ताव है। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ के दौरान पार्किंग और प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम और सुरक्षित रहनी चाहिए। इस दौरान हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव प्रत्यूष सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार, सहायक अभियंता मनमोहन सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ईद-ए-मिलाद-उल-नबी पर शांति व्यवस्था के लिए मजिस्ट्रेट तैनात

हरिद्वार (शिखर समाचार)। ईद-ए-मिलाद-उल-नबी (बारावफात) के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने और सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विभिन्न क्षेत्रों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं। ईद-ए-मिलाद-उल-नबी 26 अगस्त को चंद्र दर्शन के अनुसार मनाया जाएगा। पर्व के दौरान धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर रोशनी, विशेष नमाज, आतिशबाजी, जुलूस और जलसे सहित विभिन्न आयोजन होने की संभावना है। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट और सभी उप जिलाधिकारियों को पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भारत सरकार और राज्य सरकार की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पर्व से पहले संबंधित धार्मिक पक्षों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने को कहा। नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार को नगर हरिद्वार क्षेत्र, विशेष रूप से ज्वालापुर की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की को रुड़की और लंढौरा क्षेत्र, तहसीलदार रुड़की को मंगलौर, उप जिलाधिकारी हरिद्वार को हरिद्वार क्षेत्र, विशेष रूप से कुन्हारी, तथा तहसीलदार हरिद्वार को धनपुरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उप जिलाधिकारी लक्सर को लक्सर, सुल्तानपुर और खड़ंजा कुतुबपुर, तहसीलदार लक्सर को लक्सर कस्बा, उप जिलाधिकारी भगवानपुर को भगवानपुर क्षेत्र तथा तहसीलदार भगवानपुर को डाडा जलालपुर और सरठेड़ी शाहजहांपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी ने पुलिस प्रशासन को पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। उप जिलाधिकारी अपने स्तर से नायब तहसीलदारों की तैनाती कर व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। अपर जिलाधिकारी प्रशासन को हरिद्वार और लक्सर तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को रुड़की और भगवानपुर तहसीलों में कानून एवं शांति व्यवस्था का समग्र प्रभारी बनाया गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने तथा आमजन से पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की है।

शहबाज शरीफ की परमाणु धमकी और ट्रंप की चुप्पी पर भड़के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगातार की जा रही प्रशंसा और दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टलने का श्रेय देने के मामले पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने शहबाज शरीफ पर निशाना साधकर कहा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज ट्रंप के बढ़े हुए अहंकार को खुश करने और राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए चापलूसी में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शहबाज इस मामले में अति कर रहे हैं और ट्रंप को वहीं बातें बता रहे हैं जो वे सुनना पसंद करते हैं।

शरीफ ने पोस्ट कर ट्रंप के नेतृत्व की सराहना कर दावा किया था कि उनके साहसी कदमों से दक्षिण एशिया में परमाणु तबाही टली और लाखों लोगों की जान बच गई। हालांकि, पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने बयान के गंभीर निहितार्थों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका कहना है कि शहबाज के इन बयानों में भारत के विरुद्ध परमाणु हथियारों के संभावित पहले इस्तेमाल का छिपा हुआ संकेत और आक्रामक धमकी शामिल है। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया न आना चिंता का विषय है।

पूर्व विदेश सचिव ने अमेरिका के रवैये को पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जिस प्रकार परमाणु हथियारों को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, उस पर अमेरिकी नेतृत्व की चुप्पी या अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसतरह के बयानों को नजरअंदाज करना अंतरराष्ट्रीय शांति के हित में नहीं है।

इसके अतिरिक्त, शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब और तुर्किये के साथ हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का भी उल्लेख कर इसके लिए अमेरिकी समर्थन का आभार जताया। ट्रंप ने इस त्रिपक्षीय समझौते को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बहरहाल, पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी और उस पर अमेरिकी प्रशासन की चुप्पी को लेकर सिब्बल के इन तीखे बयानों ने कूटनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

सड़क पर निर्माण मलबा मिला तो होगी कार्यवाही, 450 रुपये प्रति टन में सीएंडडी वेस्ट हटाएगा निगम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में निर्माण एवं विध्वंस सामग्री यानी सीएंडडी वेस्ट के बढ़ते ढेर और इससे प्रभावित हो रही वायु गुणवत्ता को लेकर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निर्माण एवं संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर सीएंडडी वेस्ट के कलेक्शन और निस्तारण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क या साइट पर मलबा पड़ा दिखाई नहीं देना चाहिए। इसके लिए निर्माण विभाग को लगातार मॉनिटरिंग करने और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम की ओर से शहरवासियों को राहत देने के लिए 450 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से सीएंडडी वेस्ट हटाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। घरों, प्रतिष्ठानों और निर्माण स्थलों से निगम की कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण एवं विध्वंस सामग्री उठाने का काम किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोग मलबा सड़कों, खाली भूखंडों या सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने के बजाय निगम की निर्धारित व्यवस्था का इस्तेमाल करें। बैठक में संपत्ति विभाग की टीम ने नगर निगम की ओर से संचालित सीएंडडी

वेस्ट प्लांट और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए कलेक्शन प्वाइंट की जानकारी नगर आयुक्त को दी। वहीं निर्माण विभाग की टीम ने सभी जोन में सीएंडडी वेस्ट कलेक्शन बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों और प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि कलेक्शन प्वाइंट की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, जिससे निर्माण सामग्री के अवैध निस्तारण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के ठेकेदारों को भी सख्त निर्देश दिए कि किसी भी निर्माण कार्य के पूरा होने के बाद वहां जमा सीएंडडी वेस्ट को हटाने में देरी नहीं होनी चाहिए। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से निर्माण सामग्री डालने वालों के खिलाफ चालान और अन्य कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा सड़कों या निगम की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण सामग्री बेचने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सीएंडडी वेस्ट के निस्तारण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ इसकी निगरानी भी लगातार की जाए। शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निर्माण एवं विध्वंस सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण बेहद जरूरी है। निगम की टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्माण स्थलों से निकलने वाला मलबा खुले में न पड़ा रहे और न ही उसे सड़कों पर फेंका जाए। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी संपत्ति चंद्रकांता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम ने शहर की वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए सीएंडडी वेस्ट के अवैध निस्तारण पर प्रभावी कार्रवाई और अधिक से अधिक कलेक्शन सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

भोजपुर में पुलिस मुठभेड़: लूट के मामले में वांछित दो अभियुक्तों के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद/मोदीनगर (शिखर समाचार) भोजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। दोनों ने पीछा किए जाने पर खेतों में भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने 28 जुलाई को परतापुर से नोएडा जाते समय एक व्यक्ति से कार में लूटपाट करने की बात कबूल की। इसी कड़ी में भोजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम अपराध और अपराधियों की रोकथाम के लिए चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोदीनगर की तरफ से भोजपुर की ओर बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवारों ने पुलिस से बचने के लिए दाहिनी ओर जाने वाली सड़क पर बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया। पीछा करने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। बाइक गिरने के बाद दोनों आरोपी पैदल खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों अभियुक्तों के पैरों में गोली लगी। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान सागर खान और शिवम के रूप में हुई। दोनों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि 28 जुलाई

2026 को परतापुर से नोएडा जाते समय उन्होंने अपने कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति को निशाना बनाया था। आरोपियों ने कार से लूटपाट करते हुए पीड़ित का लैपटॉप, रुपये, निजी पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए थे। पुलिस ने इनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल, दो 315 बोर के तमंचे, तीन जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा 28 जुलाई को हुई लूट से संबंधित लैपटॉप और पीड़ित के कुछ अन्य कागजात भी बरामद किए गए है। पुलिस अब इनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड और उनके साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरफ्तार दोनों ने पूर्व में कितनी अन्य वारदातों को अंजाम दिया है और लूट की घटना में शामिल उनके अन्य साथी कौन-कौन हैं।

दारानगर गंज में ऐतिहासिक छड़ी जाहर दीवान मेले का भव्य शुभारंभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। दारानगर गंज में ऐतिहासिक छड़ी जाहर दीवान मेले का विधिवत शुभारंभ हो गया। पांच दिवसीय मेले का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद बिजनौर की अध्यक्ष इंदिरा सिंह और मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेले के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु तथा स्थानीय लोग आयोजन में पहुंचे।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के इस मेले को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। पांच दिनों तक चलने वाले मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और मेले के सुचारु संचालन को लेकर विभिन्न स्तरों पर तैयारियां

की गई हैं। उद्घाटन समारोह में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि छड़ी जाहर दीवान मेला क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। सदियों से आयोजित हो रहा यह मेला लोगों की सांस्कृतिक चेतना और परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि अपनी इस अनमोल विरासत को सुरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी का दायित्व है।

उद्घाटन समारोह के दौरान गणमान्य नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के साथ श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ उमड़ने की संभावना है। प्रशासन और आयोजन समिति ने मेले को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने का दावा किया है।

मधुबन-बापूधाम योजना में 109 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी संपन्न

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के मार्गदर्शन में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा मधुबन बापूधाम आवासीय योजना के अंतर्गत 109 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी बुधवार को हिन्दी भवन में पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत संपन्न कराई गई। ई-लॉटरी के माध्यम से सफल आवेदकों को उनके सपनों का आशियाना बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मिला। चयन की सूचना मोबाइल पर संदेश के माध्यम से तत्काल पहुंचने पर सफल आवेदकों के चेहरों पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया। मधुबन बापूधाम गाजियाबाद की प्रमुख आवासीय योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत 40 से 200 वर्गमीटर तक के आवासीय भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुल 350 आवासीय भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया के तहत बुधवार को प्रथम चरण में टाइप ए, बी, सी और डी के 109 भूखण्डों की ई-लॉटरी कराई गई। इनमें 200 वर्गमीटर के टाइप ए के 24, 150 वर्गमीटर के टाइप बी

के 49, 120 वर्गमीटर के टाइप सी के 24 और 115 वर्गमीटर के टाइप डी के 12 भूखण्ड शामिल हैं। इन चारों श्रेणियों के 109 भूखण्डों के लिए कुल 16,478 आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के बाद इनमें 16,436 आवेदन पात्र पाए गए। सीमित संख्या में उपलब्ध भूखण्डों के लिए पात्र आवेदकों के बीच कम्प्यूटरीकृत ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से चयन किया गया। ई-लॉटरी प्रक्रिया की खास बात यह रही कि चयन होते ही सॉफ्टवेयर प्रणाली के माध्यम से सफल आवेदकों के मोबाइल फोन पर तत्काल संदेश भेजकर उन्हें आवंटन की जानकारी दी गई। ई-लॉटरी स्थल पर मौजूद कुछ सफल आवेदकों को भी मोबाइल पर चयन का संदेश प्राप्त हुआ। संदेश मिलते ही कई आवेदकों ने खुशी जाहिर की और इसे परिवार के लिए अपने घर के सपने की दिशा में बड़ा कदम बताया। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार सफल आवेदकों की आगामी औपचारिकताएं पूरी कराने के बाद संबंधित भूखण्डों का स्थल पर कब्जा उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी शीघ्र शुरू की जाएगी। ई-लॉटरी में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रक्रिया का सीधा प्रसारण गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के साथ हिंदुस्तान टाइम्स और हिंदुस्तान हिन्दी के आधिकारिक चैनलों पर भी किया गया। योजना के शेष 241 आवासीय भूखण्डों, यानी टाइप ई, एफ, जी और एच की ई-लॉटरी 20 अगस्त को होगी। इनकी ई-लॉटरी क्रमशः सुबह 11:30 बजे, दोपहर 12 बजे, 12:30 बजे और दोपहर एक बजे आयोजित की जाएगी। इसका भी सीधा प्रसारण किया जाएगा। मधुबन बापूधाम योजना बेहतर संपर्क मार्गों और आधुनिक सुविधाओं के कारण गाजियाबाद की महत्वपूर्ण आवासीय योजनाओं में शामिल है। योजना के आसपास नमो भारत रैपिड रेल, हिंडन एलिवेटेड रोड, रेलवे ओवरब्रिज तथा विकसित भारत थीम पार्क जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं मौजूद हैं। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का कहना है कि पारदर्शी एवं जनहितकारी प्रक्रियाओं के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य जारी रहेगा।

एसडीएम सदर और धामपुर ने संभावित बाढ़ क्षेत्रों का किया निरीक्षण

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए उप जिलाधिकारी सदर और उप जिलाधिकारी धामपुर ने बुधवार को अपने-अपने तहसील क्षेत्रों के संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर स्थिति का निरीक्षण करने के साथ संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार दोनों तहसील क्षेत्रों में जलस्तर में कुछ बढ़ोतरी हुई है, लेकिन फिलहाल कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा ने तहसील क्षेत्र के ग्राम कुंदनपुर तथा गलखा देवी मंदिर के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि जलस्तर में कुछ वृद्धि हुई है, लेकिन किसी भी स्थान पर कटान की स्थिति नहीं है। तहसील क्षेत्र के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील गांवों को चिन्हित किया गया है। किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए बाढ़ चौकी स्थापित की गई है, जिसका आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली। उप जिलाधिकारी धामपुर विनीत कुमार ने तहसील क्षेत्र के ग्राम नगला भज्जा, कोपा, शाहलीपुर निचल, नाथढोई और नंदग्राम सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने जलस्तर और आसपास की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जलस्तर में बढ़ोतरी जरूर हुई है, लेकिन कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। अधिकारियों ने स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

खंड शिक्षाधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद का किया औचक निरीक्षण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। ब्लॉक कोतवाली के खंड शिक्षाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने बुधवार को कंपोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलने पर उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक और समस्त स्टाफ की सराहना की। उन्होंने विद्यालय में बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाए रखने और व्यवस्थाओं को इसी प्रकार व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षाधिकारी ने विद्यालय में संचालित कक्षाओं में पहुंचकर अध्यापन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, विद्यालय परिसर की स्वच्छता, कक्षाओं की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण में पाया गया कि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चे शत-प्रतिशत

निर्धारित पोशाक में उपस्थित थे, जबकि विद्यार्थियों की कुल उपस्थिति करीब 90 प्रतिशत रही।

खंड शिक्षाधिकारी ने विद्यार्थियों के साथ विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में भी सहभागिता की और उनसे पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उनकी शैक्षिक समझ और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच के लिए खंड शिक्षाधिकारी ने बच्चों के साथ बैठकर स्वयं भोजन ग्रहण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और व्यवस्था का जायजा लेते हुए संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने विद्यालय की समस्त व्यवस्थाओं को उत्तम बताते हुए विद्यालय स्टाफ की कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय में व्यवस्थाओं का नियमित रूप से ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

शामली कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए एक दर्जन से अधिक दावेदार

शामली (शिखर समाचार)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जनपद में जिलाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक रामकुमार बसोवा ने बताया कि जिलाध्यक्ष पद के लिए अब तक एक दर्जन से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। शहर अध्यक्ष पद के लिए भी कई कार्यकताओं ने अपनी दावेदारी पेश की है। बुधवार को शिवगंज मंडी स्थित शिव मंदिर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और प्रदेश पर्यवेक्षकों की टीम पिछले एक सप्ताह से जनपद में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यकताओं से संवाद कर रही है। उन्होंने बताया कि पर्यवेक्षक टीम ने जनपद के पांचों ब्लॉकों में पहुंचकर कार्यकताओं से जिलाध्यक्ष पद के लिए सुझाव लिए हैं। अब तक एक दर्जन से अधिक नाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत ऐसे कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाएगी, जो सभी वर्गों और कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने में सक्षम हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी पूंजीपति के प्रभाव में रहने वाले व्यक्ति को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। पार्टी का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। बसोवा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल

गांधी गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी और युवाओं की आवाज उठा रहे हैं। पार्टी का लक्ष्य संगठन को मजबूत कर आगामी समय में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने बताया कि जिलाध्यक्ष चयन की प्रक्रिया 25 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी और 15 सितंबर तक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव के साथ युवाओं को भी संगठन में पर्याप्त महत्व दिया जाएगा। नीट परीक्षा के मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार से युवाओं की जायज मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। इस अवसर पर प्रदीप कंसल, रामकुमार पंडित, सत्यम सैनी, ओमप्रकाश शर्मा, वैभव गर्ग, ओमबीर उपाध्याय और शेखचंद पाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नंदग्राम में पुलिस मुठभेड़, दो स्नैचर पैर में गोली लगने से घायल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नंदग्राम थाना क्षेत्र में स्वाट टीम, सर्विलांस टीम नगर जोन तथा थाना नंदग्राम पुलिस की संयुक्त रूप से बदमाशों से मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में स्नैचिंग और लूट की घटनाओं में शामिल दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपियों के कब्जे से दो सोने की टिक्की, दो तमंचे, जिंदा

कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किए गए। इसी कड़ी में स्वाट टीम, सर्विलांस टीम नगर जोन और थाना नंदग्राम पुलिस को सूचना मिली थी कि नंदग्राम क्षेत्र में पूर्व में स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुछ आरोपी दोबारा इलाके में घूम रहे है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मोरटी तिराहे पर चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी। पुलिस टीम ने बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपियों ने बाइक रोकने के बजाय भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़े। पुलिस ने तत्काल दोनों को हिरासत में लेकर उनकी पहचान आरिफ और जुबेर के रूप में की। सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि दोनों आरोपी पूर्व में भी लूट और स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दे चुके है। उनका आपराधिक इतिहास पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है। आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद सोने की टिक्कियां किस वारदात से संबंधित हैं। घायल आरोपियों को पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए बरामद हथियार और अन्य सामान को कब्जे में ले लिया। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

महज 20 रुपये के विवाद में 21 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में महज 20 रुपये को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। नशे के लिए रुपये मांगने को लेकर हुए विवाद में एक 21 वर्षीय युवक मुस्ताख की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। मृतक मुस्ताख अपने परिचित युवक समीर उर्फ गुड्डू के संपर्क में था। समीर ने नशे के लिए मुस्ताख से 20 रुपये मांगे थे।

मुस्ताख ने रुपये देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और समीर ने मुस्ताख पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले में मुस्ताख गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखने को मिला। घटना की सूचना मिलने पर शालीमार गार्डन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मृतक और आरोपी एक-दूसरे के परिचित थे। दोनों कूड़ा बिन्ने का काम किया करते थे। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है और जल्द उसकी गिरफ्तारी का दावा किया गया है। घटना को लेकर स्थानीय पार्षद ने भी गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों के माध्यम से उन्हें घटना की जानकारी मिली। महज 20 रुपये के विवाद में 21 साल के युवक की जान चले जाना बेहद गंभीर और दुखद है। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्षद ने मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता जताते हुए कहा कि परिवार में छोटे बच्चे हैं। ऐसे में परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और बच्चों की पढ़ाई की उचित व्यवस्था कराने की मांग की।

शादी का झांसा देकर महिला हेड कांस्टेबल का उत्पीड़न, आत्महत्या के लिए उकसाने का अभियुक्त सिपाही गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साहिबाबाद थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला हेडकांस्टेबल का शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में वांछित आरोपी सिपाही को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लोनी निवासी करीब 38 वर्षीय सचिन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया था। बीती 18 अगस्त 2026 को शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार ने साहिबाबाद थाने में लिखित तहरीर दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनकी

करीब 37 वर्षीय पुत्री, जो दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल थी, आरोपी के साथ संबंध में थी। आरोपी ने युवती को शादी का झांसा दिया और बाद में उसका शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न किया। इससे युवती मानसिक रूप से परेशान और डिप्रेशन में चली गई तथा उसने आत्महत्या कर ली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सचिन कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए सचिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह और शिकायतकर्ता की पुत्री एक ही थाने पर नौकरी करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच जान-पहचान हुई और धीरे-धीरे बातचीत बढ़ने लगी। बाद में दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया। संबंधों की जानकारी युवती के परिवार को होने के बाद उसके घर में विवाद होने लगा, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी। युवती उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी, लेकिन वह तत्काल शादी करने की स्थिति में नहीं था। इसी कारण उसने शादी करने से इनकार कर दिया था। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित कुमार सक्सेना ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और शादी का झांसा देने से संबंधित एक मुकदमा दर्ज है। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रिजल्ट के बाद भी नहीं मिली अंकतालिका, एसटीईटी की डेडलाइन ने बढ़ाई चिंता

आगरा, एजेंसी। बीएड 2024-26 बैच के परीक्षार्थियों का परिणाम जारी हुए करीब एक महीना बीत गया, लेकिन अभी तक अंकतालिका जारी नहीं हो सकी है। इससे विद्यार्थी परेशान हैं। बिहार माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) के आवेदन की अंतिम तारीख 31 अगस्त भी नजदीक आ गई है। विद्यार्थी निरंजन का कहना है कि अंकतालिका नहीं मिलने के कारण उन्हें आगे की प्रक्रिया को लेकर चिंता है। छात्र रोहित और अमित ने बताया कि बीएड का परिणाम जारी होने के बाद उम्मीद थी कि जल्द अंकतालिका भी उपलब्ध करा दी जाएगी। करीब एक माह बीतने के बाद भी अंकतालिका नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। बताया कि बिहार एसटीईटी के लिए आवेदन की अंतिम तारीख भी नजदीक आ गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को डर है कि समय पर अंकतालिका नहीं मिली तो आवेदन प्रक्रिया में दिक्कत आ सकती है। इसलिए मांग है कि विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द बीएड 2024-26 की अंकतालिकाएं जारी करे। उनका कहना है कि परिणाम आने के बाद अंकतालिका जारी करने में देरी से आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं और शिक्षक पात्रता परीक्षाओं के आवेदन प्रभावित हो रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने बताया कि विद्यार्थियों की अंकतालिका वाली समस्या का जल्द-से-जल्द निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा।

शोध को समाज और राष्ट्र की जरूरतों से जोड़ें शोधार्थी

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में आयोजित शोधार्थी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि शोधार्थी सिर्फ डिग्री तक सीमित न रहें बल्कि अपने शोध को समाज और राष्ट्र की जरूरतों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आज देश को विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भूमिका चाहिए। 'जय जवान, जय किसान' से आगे बढ़कर 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' आज समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डिग्री आपको योग्यता देती है, जबकि कौशल आपको रोजगार योग्य बनाता है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि शोधार्थी विश्वविद्यालय की रीढ़ हैं और गुणवत्तापूर्ण शोध से ही संस्थान की पहचान बनती है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वालों की संख्या 35 से बढ़कर 478 तक पहुंची है। उन्होंने शोधार्थियों को शिक्षण व्यवस्था में महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए उन्हें आगे भी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 1000 से अधिक पेटेंट की दिशा में अग्रसर है और पेटेंट फाइलिंग में देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल हो चुका है। वर्तमान में 450 से अधिक शोध परियोजनाएं चल रही हैं तथा लगभग तीन करोड़ रुपये का शोध अनुदान प्राप्त है। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. शांतनु रस्तोगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. तुलिका मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक इकाई 'तरंग' की प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के विजेता को भी सम्मानित किया गया। 478 को पीएचडी उपाधि -दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मंगलवार को 45वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत आयोजित 'शोधार्थी सम्मान समारोह-2026' में 478 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई।

दिव्यांग विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता : राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राज्यमंत्री पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश नरेंद्र कश्यप ने समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय गाजियाबाद का निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने विद्यालय भवन, कक्षाओं, छात्रावास, आवासीय भवन, खेल मैदान एवं विद्यालय परिसर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं, साफ-सफाई तथा विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा। मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा इस प्रकार के विशेष विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। दिव्यांग विद्यार्थियों को उचित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना एवं आत्मनिर्भर बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों को केवल शिक्षा उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण, बेहतर आवासीय सुविधाएं तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य से विद्यालयों की व्यवस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण एवं समीक्षा किया जाना आवश्यक है। मंत्री ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए

निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर एवं प्रभावी शिक्षण पद्धति अपनाई जाए तथा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके कौशल, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास के लिए भी आवश्यक गतिविधियां कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में संधारित किए जा रहे अभिलेखों एवं विभिन्न रजिस्टरों की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अभिलेख एवं रजिस्टर नियमित रूप से अद्यतन, सुव्यवस्थित एवं नियमानुसार संधारित किए जाएं। विद्यालय एवं छात्रावास में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर एवं खेल मैदान की नियमित साफ-सफाई और उचित रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण प्राप्त हो सके।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, गाजियाबाद अंशुल चौहान को विद्यालय की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने तथा निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का प्रभावी एवं समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान, प्रवक्ता अशोक नौटियाल सहित विद्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने पुनः स्पष्ट किया कि दिव्यांग बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करना प्रदेश सरकार का महत्वपूर्ण दायित्व एवं प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सरकार दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

छात्राओं को आत्मरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में बुधवार को छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वन स्टॉप सेंटर की टीम और कोतवाली की महिला एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देकर जागरूक किया।

कोतवाली प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा तथा महिलाओं के अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। टीम ने छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध सहायता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्राओं को बताया गया कि महिलाओं और युवतियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय संबंधित अधिकारियों को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। महिला टीम ने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं और सवालों की जानकारी भी ली।

अधिकारियों ने छात्राओं से अपने गांव, कस्बे और आसपास रहने वाली महिलाओं तथा युवतियों को भी आत्मरक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें सुरक्षित और सजग रहने के लिए प्रेरित करना रहा।

कारखाना अधिनियम 1948 : नोएडा की मीनू क्रिएशन कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे मीनू क्रिएशन में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल का स्वागत किया

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल बुधवार को क्षेत्र के गांव गढ़मलपुर सागड़ी में छात्रों की पढ़ाई के लिए नवनिर्मित पुस्तकालय का उद्घाटन करने पहुंचे। कार्यक्रम से वापस लौटते समय वह बुढ़ाना में भाजपा नेता ब्रजपाल सहरावत के बड़ौत रोड स्थित आवास पर पहुंचे, जहां पूर्व विधायक उमेश मलिक सहित भाजपा कार्यकताओं ने उनका फूलमालाओं और पटका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक उमेश मलिक ने मोहित बेनीवाल का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यों के दम पर प्रदेश में आगामी चुनाव में भारी बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा नेता ब्रजपाल सहरावत ने कहा कि प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल का क्षेत्र में दौरा कार्यकताओं के लिए उत्साहवर्धक है। उनके दौरे से कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, वरुण मलिक, अंकुश राठी, विनोद सैनी, तेजपाल सहरावत, वीरेंद्र राणा, स्वामी रविंद्र प्रताप, पुनीत पंवार, गौरव पंवार, अन्नु तरार सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिलासपुर में अतिक्रमण पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर, 24 हजार वर्गमीटर जमीन मुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को बिलासपुर में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 24 हजार वर्गमीटर जमीन को कब्जे से मुक्त करा लिया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 48 करोड़ रुपये बताई गई है। प्राधिकरण के अनुसार कालोनाइजर अधिसूचित क्षेत्र में बाउंड्री बनाकर अवैध प्लॉटिंग करने की कोशिश कर रहे थे। कार्रवाई प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर की गई।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण या कब्जा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर उसके संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि लोग अवैध कॉलोनियों में अपनी मेहनत की कमाई न लगाएं।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि बिलासपुर स्थित खसरा संख्या 1554 की जमीन पर कालोनाइजर बाउंड्री बनाकर कब्जा करने और अवैध प्लॉटिंग की तैयारी कर रहे थे। प्राधिकरण की ओर से उन्हें नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समय में कब्जा नहीं

हटाया गया। इसके बाद परियोजना विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कार्य मंडल-8 की टीम ने प्राधिकरण के सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद करीब 24 हजार वर्गमीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त करा ली गई। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ अंत्यन्त पार्श्वनाथ मंदिर में मनाया गया। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन और पूजन कर धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धापूर्वक सहभागिता की।

महोत्सव के अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ का विधि-विधानपूर्वक अभिषेक, शांतिधारा और पूजन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में श्रद्धा और समर्पण के साथ निर्वाण लड्डू अर्पित किए। विशेष विधान का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधान के दौरान भगवान पार्श्वनाथ के तप, त्याग, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में

अपनाने का संकल्प लिया गया।

धर्मावलंबियों ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ का जीवन त्याग, तपस्या और अहिंसा का महान संदेश देता है। उन्होंने संसार की नश्वरता को समझकर राजसी वैभव का त्याग किया और आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर हुए। कठोर तप, संयम और साधना के माध्यम से उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त किया तथा समस्त जीवों के प्रति करुणा, अहिंसा और मैत्री का संदेश दिया। महोत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं ने उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुकेश जैन अधिवक्ता, नीरज जैन बंटी, सुयश जैन, अंकित जैन तिगाई, अशोक जैन, सुनील जैन सराफ, पारस जैन बालकराम स्ट्रीट, अरुण जैन वर्धमान संघ, विपिन जैन अरिहंत हैंडलूम, प्रमोद जैन बर्तन, सुनील जैन गैस वाले, लल्लूमल जैन, अकलंक जैन अधिवक्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अछेजा गांव में आकाशीय बिजली का तांडव, कई घरों के विद्युत उपकरण जले

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अछेजा गांव में बुधवार को बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से कई घरों में विद्युत उपकरण जल गए। अचानक तेज धमाके और बिजली के झटके से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना में किसी व्यक्ति या मवेशी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई परिवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कराकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार बारिश के दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से गांव में तेज आवाज के साथ बिजली का झटका लगा। इसकी चपेट में आने से कुणाल शर्मा के घर में रखा इनवर्टर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग घबरा गए। वहीं, केशर नागर के घर में लगा वातानुकूलित यंत्र भी जलकर पूरी तरह खराब हो गया। ग्रामीणों के मुताबिक बिजली गिरने के बाद कई घरों में अचानक चिंगारी निकलने लगी और कुछ स्थानों पर धुआं उठता दिखाई दिया। विद्युत प्रवाह में अचानक बढ़ोतरी के कारण गांव के दर्जनों घरों में पंखे, ट्यूबलाइट, बल्ब, प्रकाश उत्सर्जक डायोड लाइट, टेलीविजन और अन्य विद्युत उपकरण फुंक गए। इससे ग्रामीणों को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। घटना के बाद ग्रामीणों में काफी देर तक दहशत का माहौल रहा। हालांकि राहत की बात यह रही कि आकाशीय बिजली गिरने की इस घटना में किसी व्यक्ति की जान नहीं गई और न ही किसी मवेशी के हताहत होने की सूचना है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों के नुकसान का सर्वे कराकर उचित आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

बच्चों की ली क्लास, खुद चखा मिड-डे-मील

13 स्कूलों के कायाकल्प का किया ऐलान

आगरा, एजेंसी। आगरा के जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार दोपहर एक बजे खंदौली ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और कंपोजिट स्कूल उजरई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने न सिर्फ शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों की क्लास ली, बल्कि मिड-डे-मील की गुणवत्ता खुद खाकर परखी। निरीक्षण के बाद डीएम ने जिले के सभी 13 कस्तूरबा विद्यालयों को सीएसआर फंड से हाईटेक बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के तत्काल बाद डीएम सीधे उजरई स्थित विद्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने छात्राओं से उनकी दिनचर्या, भोजन, गीजर की सुविधा और पढ़ाई को लेकर सीधे सवाल किए। डीएम ने किताब हाथ में लेकर छात्राओं से विज्ञान में कोशिका और अंग्रेजी के शब्दों के अर्थ पूछे, जिनके सही जवाब मिलने पर वह शिक्षा के स्तर से संतुष्ट नजर आए। उच्चीकृत विद्यालय की कक्षा 9 और 10 की छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए

एचपीवी वैक्सीन के प्रति जागरूक करते किया। छात्राओं को अपने अभिभावकों को भी इसके बारे में बताने की सलाह दी।

इसके बाद कंपोजिट स्कूल में डीएम ने ब्लैकबोर्ड पर बच्चों से सवाल हल कराए और उन्हें बड़े सपने देखने व कड़ी मेहनत करने का मंत्र दिया। इस दौरान बीएसए राकेश कुमार सिंह, बीईओ सुमित कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीएसआर फंड से होगा कायाकल्प

जिले के 13 कस्तूरबा विद्यालयों में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड से स्मार्ट क्लास, उच्चीकृत लैब, फर्नीचर, खेलकूद सामग्री और भवनों की मरम्मत के कार्य कराए जाएंगे। डीएम मनीष बंसल ने शिक्षा विभाग को जल्द पारदर्शी एस्टीमेट बनाने और कार्यों की गुणवत्ता व निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं।

दिव्यांगजन रोजगार मेले में 126 अभ्यर्थी चयनित और शॉर्टलिस्ट

हापुड़ (शिखर समाचार)। एसएसवी पीजी कॉलेज में बुधवार को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के लिए 199 दिव्यांग अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से साक्षात्कार के बाद 126 अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों के लिए चयनित और शॉर्टलिस्ट किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कौशल विकास विभाग के 10 लाभार्थियों तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के चार

लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। रोजगार के साथ दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मेले में विभिन्न विभागों के विशेष काउंटर लगाए गए। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के तहत 47 दिव्यांगजनों ने आवेदन किया, जबकि कौशल विकास विभाग की योजना में 46 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया।

इसके अलावा 42 लाभार्थियों का विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र के लिए पंजीकरण किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत स्वरोजगार के लिए 30 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उनके कौशल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सेवायोजन विभाग के उपनिदेशक, जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, कौशल विकास के जिला समन्वयक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कॉलेज पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में उत्तर प्रदेश ने जापानी निवेशकों को दिया निवेश का न्योता

नई दिल्ली/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से बुधवार को नई दिल्ली स्थित ताज पैलेस में यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जापान के 200 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, प्रबंध निदेशकों और वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और भारत-जापान आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, हवाई अड्डे, समर्पित माल ढुलाई गलियारे, औद्योगिक पार्क और बहु-माध्यम संपर्क व्यवस्था का मजबूत नेटवर्क तैयार हुआ है। उन्होंने जापानी कंपनियों को प्रदेश में निवेश कर विकास यात्रा का भागीदार बनने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-5ए में करीब 500 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होने वाली जापानी सिटी की घोषणा भी की। इसमें जापानी उद्योगों, कारोबारियों और नागरिकों के लिए औद्योगिक, व्यावसायिक और आवासीय सुविधाओं का समर्पित तंत्र विकसित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित होने वाली दो प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं का वर्चुअल शिलान्यास भी किया गया। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड को सेक्टर-10 में 154 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। करीब 2,029 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से लगभग 4,000 रोजगार अवसर पैदा होंगे तथा प्रतिवर्ष करीब 60 हजार ट्रैक्टरों का निर्माण किया जाएगा।

वहीं, स्पार्क मिंडा समूह की परियोजना के लिए सेक्टर-10 और सेक्टर-24 में भूमि आवंटित की गई है। करीब 1,166 करोड़ रुपये के निवेश वाली इस परियोजना से लगभग 6,440 रोजगार अवसर मिलने की उम्मीद है। यहां इलेक्ट्रॉनिक स्विच, सेंसर, यूएसबी चार्जर और अन्य वाहन इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, वाहन, अर्धचालक और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में जापानी निवेश को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, अश्विनी वैष्णव, प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना समेत वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि मौजूद रहे।

श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद में बुधवार को भगवान 1008 पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। महोत्सव में दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालु पहुंचे और भगवान की आराधना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। दिनभर मंदिर परिसर धार्मिक जयघोष से गूंजता रहा। प्रातः छह बजे प्रक्षाल पूजन के बाद मूलनायक वेदी पर भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक किया गया। इसके बाद शांतिधारा, पूजन और ध्वजारोहण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान विधि-विधानपूर्वक संपन्न कराए गए। ध्वजारोहण का सौभाग्य सहारनपुर निवासी राजीव जैन, संजीव जैन और संदीप जैन को प्राप्त हुआ। सभी धार्मिक कार्यक्रम पंडित राजकुमार जैन और सनत जैन के निर्देशन में संपन्न कराए गए। महोत्सव के दौरान भगवान पार्श्वनाथ को 23 किलोग्राम तथा 11-11 किलोग्राम के निर्वाण लड्डू श्रद्धापूर्वक अर्पित किए गए। निर्वाण लड्डू चढ़ाने के लिए मंदिर परिसर में बोली लगाई गई। 23 किलोग्राम का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य गाजियाबाद निवासी संदीप जैन और अभिषेक जैन को मिला। वहीं 11-11 किलोग्राम के लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य दिल्ली निवासी अशोक जैन और ऋषभ जैन तथा सरधना निवासी हेमंत जैन और अल्पना जैन को प्राप्त हुआ। इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित कर पूजा-अर्चना की। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। महोत्सव में सुशील जैन, सचिन जैन, राहुल जैन, ऋषभ जैन, डॉ. यशपाल शर्मा, सुभाष जैन, सतेंद्र जैन, तरुण जैन, प्रदीप जैन, उमेश जैन और भूपेंद्र जैन सहित अन्य श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

गौरी क्लब की महिलाओं ने तीज महोत्सव में रंग जमाया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गौरी क्लब की ओर से दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित एक बैंक्वेट हॉल में बुधवार को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में क्लब से जुड़ी महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और एक-दूसरे को गले मिलकर तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुनेहा जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महोत्सव में महिलाएं हरे रंग के परिधानों में सजधजकर पहुंचीं। फिल्मी गीतों पर महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग जमा दिया। तीज की मस्ती में डूबी महिलाओं ने झूला झूलते हुए सावन के गीत गाए, जिससे कार्यक्रम स्थल पर उत्सव का माहौल बन गया। इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। महिलाओं ने पारंपरिक तीज पर्व की खुशियों को एक-दूसरे के साथ साझा किया और मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में भगवान शंकर और माता पार्वती की आरती की गई। इसके साथ ही तीज महोत्सव का समापन हुआ। आयोजन में मेघा तायल, मंजू, गौरी, ओजस्वी, प्रियंका, दीया, रूचि, शालिनी, ऋचा, रेनू, निशा, निधि और गरिमा सहित क्लब की कई महिलाएं मौजूद रहीं।

पुरानी तहसील की जर्जर दीवारों को गिराने की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के बड़ा बाजार स्थित पुरानी तहसील की जर्जर हो चुकी दीवारों को गिराने की मांग को लेकर युवा भाजपा नेता हिमांशु संगल ने नगरवासियों के साथ उप जिलाधिकारी सतेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने जर्जर दीवारों से संभावित हादसे का खतरा बताते हुए अपनी मांग का ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा और जल्द आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की।

बुधवार को हिमांशु संगल नगरवासियों के साथ उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि बड़ा बाजार स्थित पुरानी तहसील की दीवारें काफी समय से जर्जर हालत में हैं और उनकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। इन दीवारों के कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पुरानी तहसील के आसपास बाजार होने के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। मुख्य रास्ता होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीर इस मार्ग से गुजरते हैं।

उन्होंने कहा कि आसपास के क्षेत्र में छोटे बच्चे भी आते-जाते और खेलते रहते हैं। ऐसे में यदि जर्जर दीवार अचानक गिरती है तो गंभीर हादसा हो सकता है और जान-माल का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जर्जर दीवारों का तत्काल निरीक्षण कराने तथा खतरा बनी दीवारों को गिराने की कार्रवाई करने की मांग की।

हिमांशु संगल ने कहा कि जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समय रहते कदम उठाना आवश्यक है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। उन्होंने उप जिलाधिकारी सतेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। नगरवासियों ने भी प्रशासन से जर्जर दीवारों के संबंध में जल्द निर्णय लेने की अपील की।

किसान दिवस में छाई किसानों की समस्याएं, सीडीओ ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें किसानों ने पशुओं के टीकाकरण, सड़कों की खराब स्थिति, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और गन्ना भुगतान से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों की समस्याएं बारी-बारी से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय में निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एसपी सिंह ने पशुओं में फैलने वाली प्रमुख बीमारियों, उनके लक्षण, बचाव और उपचार के संबंध में किसानों को जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र जलालपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार ने धान और गन्ने की फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के बारे में बताया। उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने पिछले किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति से किसानों को अवगत कराया। नाला निवासी किसान कुलदीप पंवार ने मेरठ रोड रेलवे फाटक से सिम्भालका बाईपास तक सड़क के गड्ढे भरवाने तथा गोहरनी और बधेव बाईपास पर गोल चक्कर और लाल बत्ती लगवाने की मांग रखी। डांगरोल निवासी राजन जावला ने कांधला विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से बीमारी संबंधी जागरूकता शिविर लगाने और कांधला-बुढ़ाना मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की। चुनसा निवासी विदेश मलिक ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से सर्विस लेन बनवाने तथा प्राथमिक विद्यालय चुनसा की अधूरी छत का निर्माण पूरा कराने की मांग उठाई। पिंडौरा निवासी कपिल खाटियान ने बकाया गन्ना भुगतान कराने और रेलपार शामली निवासी अमरदीप पंवार ने पशुओं को लंपी वायरस से बचाने के लिए टीकाकरण कराने की मांग रखी। बैठक में जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आरओबी निर्माण की धीमी गति से परेशान अभिभावकों ने दी जन आंदोलन की चेतावनी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राज चौपले के पास हापुड़ रोड रेलवे फाटक पर निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की धीमी गति से परेशान अभिभावकों ने अब बच्चों और क्षेत्रवासियों को साथ लेकर जन आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। बुधवार को दर्जनों की संख्या में अभिभावक तहसील मुख्यालय पहुंचे और उप जिलाधिकारी कोमल पवार से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। अभिभावकों ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण वर्ष 2024 में शुरू हुआ था और इसे तीन वर्ष में पूरा किया जाना था, लेकिन करीब दो वर्ष बीतने के बावजूद निर्माण कार्य एक चौथाई भी पूरा नहीं हो सका है। उनका आरोप है कि पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य बंद पड़ा है। निमार्णाधीन पुल के दोनों ओर बनाई गई सेवा मार्गों की स्थिति भी बेहद खराब है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावकों ने बताया कि इसी मार्ग पर दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल सहित कई बड़े शिक्षण संस्थान और सब्जी मंडी स्थित हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी इस मार्ग से आवागमन करते हैं। रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लंबे समय तक स्कूली बच्चों और अन्य लोगों को जाम में फंसे रहना पड़ता है। खराब सेवा मार्ग के कारण समस्या और गंभीर हो गई है। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू कराकर आवागमन की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर जन आंदोलन शुरू करेंगे। उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने कहा कि समस्या को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा।

ईवीएम-वीवीपैट की प्रथम स्तर की जांच को लेकर कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तर की जांच प्रक्रिया को पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने के उद्देश्य से बुधवार को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के सभागार में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग मनीष गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में प्रदेश के 21 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और प्रथम स्तर की जांच के पर्यवेक्षकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का उद्घाटन वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा, भारत निर्वाचन आयोग के सचिव मधुसूदन गुप्ता, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह, अवर सचिव राकेश कुमार और उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह ने किया। अधिकारियों ने ईवीएम-वीवीपैट की प्रथम स्तर की जांच से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने ईवीएम और वीवीपैट के संपूर्ण जीवन चक्र, मशीनों के संचालन, यादृच्छिकीकरण, अभ्यर्थियों के लिए मशीन तैयार करने, मतदान, मतगणना और मतगणना के बाद की प्रक्रियाओं से संबंधित प्रोटोकॉल समझाए। ईसीआईएल विशेषज्ञ पी.सी. मंडल ने मशीनों की तकनीकी संरचना और सुरक्षा विशेषताओं की जानकारी दी, जबकि भारत निर्वाचन आयोग के ईवीएम प्रभाग के सचिव मधुसूदन गुप्ता ने प्रथम स्तर की जांच के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियों और सावधानियों के बारे में बताया। कार्यशाला में पर्याप्त संख्या में ईवीएम और वीवीपैट उपलब्ध कराकर विशेषज्ञ इंजीनियरों ने व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिभागियों को मशीनों के संचालन और जांच प्रक्रिया का स्वयं अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया और प्रश्नों का समाधान किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रक्रिया में निर्धारित प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारु रूप से संपन्न हो सकें।

गवाह गौरव त्यागी की कार से टक्कर मारकर हत्या मामले में, दो गिरफ्तार, पांच आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में पुरानी जमीनी रंजिश के चलते मंगलवार सुबह मुकदमे की पैरवी के लिए जा रहे गवाह गौरव त्यागी की हत्या कर दी गई। आरोप है कि कार सवार हमलावरों ने बाइक में टक्कर मारकर उसे गिरा दिया और इसके बाद हथौड़े, लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि पांच फरार आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। गांव मोहम्मदपुर आजमपुर निवासी गौरव पूर्व में दर्ज जानलेवा हमले के मुकदमे में मुख्य गवाह था। मंगलवार सुबह वह बाइक से मुकदमे की पैरवी के सिलसिले में वकील से मिलने जा रहा था। धनौरा रोड पर दिनेश विद्यापीठ स्कूल के पास गांव के ही अमित, प्रदीप, कुलदीप, जसवंत और अनुज उर्फ गोल्दी सफेद कार से पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गौरव की बाइक में टक्कर मारकर उसे सड़क पर गिरा दिया और फिर हथौड़े व लाठी-डंडों से हमला कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गौरव को देवनंदिनी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर किया गया, जहां जांच के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता फतेह सिंह की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने राजवीर और जयपाल निवासी मोहम्मदपुर आजमपुर को गिरफ्तार किया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। पुलिस के अनुसार विवाद करीब दो बीघा जमीन से जुड़ा है, जिसे फतेह सिंह और जयपाल ने मिलकर खरीदा था। पैमाइश में जमीन कम निकलने और हिस्सेदारी को लेकर वर्ष 2021 में विवाद हुआ था, जिसका मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी गौरव की हत्या की धमकी दी गई थी। इकलौते बेटे की हत्या से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

परिषदीय स्कूलों में शुरू हुई सत्र परीक्षाएं, बीएसए ने किया औचक निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले के परिषदीय विद्यालयों में बुधवार से सत्र परीक्षाएं शुरू हो गईं। परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की ओर से व्यवस्थाओं पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने सिंभावली विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर परीक्षा की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीएसए ने सिंभावली ब्लॉक के बक्सर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय संख्या-1 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय का उपस्थिति बोर्ड देखा और कक्षाओं में चल रही सत्र परीक्षाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर परीक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली तथा उनकी शैक्षिक गुणवत्ता को भी परखा। निरीक्षण के दौरान बीएसए ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि सत्र परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराई जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। विद्यालयों में अनुशासन और शैक्षिक वातावरण बनाए रखने के साथ परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में सत्र परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षा प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाए रखने के लिए विद्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की सुविधा और शैक्षिक हित को प्राथमिकता देने को कहा।

सरस्वती ग्रुप में स्टार ऑफ द मंथ से 30 कर्मचारी सम्मानित, लिया नशा मुक्त भारत का संकल्प

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से सोमवार को 'स्टार ऑफ द मंथ-मई एवं जून 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के 30 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही संस्थान के कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशीले पदार्थों से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली। कॉलेज ब्लॉक के एलटी-1 और एलटी-2 में आयोजित कार्यक्रम में नर्सिंग, प्रशासन, छात्रावास, प्रयोगशाला, फामेर्सी, रखरखाव, स्वच्छता, सुरक्षा और भोजनालय सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। संस्थान में मई 2024 से शुरू की गई इस पहल के तहत अब तक 387 कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसका उद्देश्य गैर-शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के योगदान को पहचान देना तथा कार्य के प्रति पेशेवर दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना गीत से हुई। महाप्रबंधक एन. वर्धराजन और प्रधानाचार्य डॉ. बरखा गुप्ता ने कर्मचारियों को संबोधित किया। इसके बाद सभी कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत की शपथ लेते हुए नशीले पदार्थों से स्वयं दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। संस्थापक डॉ. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष डॉ. रम्या रामचंद्रन ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान की सफलता में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, डॉ. मेजर जनरल चरनजीत सिंह अहलूवालिया, निदेशक रघुवार दत्त और मानव संसाधन प्रबंधक एल. रुबावथी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चौराखी श्मशान घाट का जर्जर टीन शेड बनेगा, पीपीपी मॉडल पर रखरखाव की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के स्वर्ग आश्रम रोड स्थित चौराखी श्मशान घाट में जर्जर हो चुके टीन शेड को लेकर पंजाबी सभा समिति ने नगर पालिका से तत्काल पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। समिति ने श्मशान घाट की नियमित देखरेख और रखरखाव की जिम्मेदारी सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत समिति को सौंपने का भी प्रस्ताव रखा है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष संजय कुमार डावर ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार मिश्रा को ज्ञापन सौंपा।

समिति ने बताया कि श्मशान घाट में लगे टीन कई स्थानों पर गलकर लटक रहे हैं और इनके गिरने से कभी भी हादसा हो सकता है। करीब दो वर्ष पहले समिति ने अपने खर्चे पर पुराने टीन हटवाकर नए शेड लगवाए थे, लेकिन नियमित रखरखाव के अभाव में वे भी जर्जर हो गए हैं। बरसात के दौरान चिता जलाते समय शव को बारिश से बचाना मुश्किल हो जाता है, जिससे अंतिम संस्कार में शामिल शोकाकुल परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। समिति अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका श्मशान घाट का नियमित रखरखाव करने में सक्षम नहीं है तो इसकी देखरेख सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत पंजाबी सभा समिति को सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि समिति पिछले कई वर्षों से अपने स्तर पर श्मशान घाट में सेवा कार्य कर रही है और इसके विकास के लिए आगे भी प्रयास करती रहेगी। अधिशासी अधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने समिति को आश्वासन दिया कि चौराखी श्मशान घाट की व्यवस्थाओं को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में श्यामसुंदर खन्ना, लेखराज अनेजा, जगदीश माकन, यशपाल तनेजा, संजय सेठी, राजेश नारंग, सरदार सरजीत सिंह चावला और राकेश कालड़ा मौजूद रहे।

संपादकीय

लोकतंत्र में विरोध की आवाज को पानी की बौछारों से नहीं दबाया जा सकता

बिहार की राजधानी पटना में 19 अगस्त को राष्ट्रीय जनता दल के लोकभवन मार्च के दौरान जो दृश्य सामने आए, वे केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई की तस्वीर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र में असहमति की जगह और शासन के तौर तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकले मार्च में बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं, छात्रों की समस्याओं और सिवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान एके-47 से गोली चलने के आरोप को लेकर सरकार से जवाब मांगा गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की, कार्यकताओं ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, पानी की बौछारों का इस्तेमाल हुआ और तेजस्वी यादव समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। बाद में तेजस्वी यादव को रिहा कर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सत्ता और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक टकराव मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव के दिन नहीं, बल्कि उस समय होती है जब कोई राजनीतिक दल सरकार की नीतियों और प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करता है। सरकार का दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखना है, लेकिन विपक्ष का दायित्व जनता के सवालों को सत्ता तक पहुंचाना भी है। दोनों के बीच संतुलन बिगड़ने पर लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है। प्रदर्शनकारी यदि निर्धारित मार्ग और कानून की सीमा तोड़ते हैं तो प्रशासन को कार्रवाई का अधिकार है, लेकिन कार्रवाई भी अनुपातिक, संयमित और पारदर्शी होनी चाहिए।

पटना की सड़कों पर इस बार सबसे बड़ा सवाल बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं की बेचैनी का है। बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवा वर्षों से सरकारी नौकरियों की उम्मीद में मेहनत करते हैं। जब परीक्षा से पहले या बाद में प्रश्नपत्र लीक, भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी अथवा पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं तो उसका असर केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहता। इससे युवाओं का पूरा भविष्य प्रभावित होता है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे सीमित संसाधनों में वर्षों तैयारी करते हैं। उनके लिए एक परीक्षा का अवसर निकल जाना महज तारीख का बदलना नहीं, बल्कि समय, धन और मानसिक ऊर्जा की बड़ी कीमत चुकाना होता है।

इसीलिए परीक्षा व्यवस्था को लेकर उठने वाले सवालों को राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा पैदा करना होगा कि भर्ती परीक्षाएं सुरक्षित, निष्पक्ष और समयबद्ध हैं। यदि कहीं प्रश्नपत्र लीक या भर्ती में अनियमितता का आरोप सामने आता है तो जांच ऐसी होनी चाहिए जिसकी विश्वसनीयता पर किसी पक्ष को संदेह न रहे। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और निर्दोष अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित न हो। युवाओं को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

कर्म ही है, जो वर्तमान को संवारता भी है और भविष्य को गढ़ता भी है।

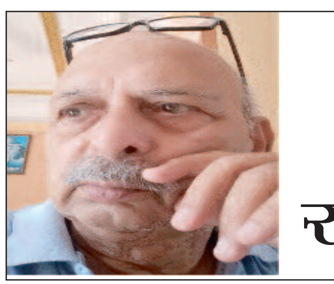

©
विनय संकोची

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है।

हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए।

मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है।

डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है।

चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं।

मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है।

वंदे मातरम प्रेमः हकीकत या फसाना

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया क बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम् गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम् गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया मां तुझे सलाम वंदे मातरम बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। इसलिए, वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग खासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति, पेपर लीक, भयंकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ्य सेवाओं, बेतहाशा बढ़ती मंहगाई, मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का गरीब व्यक्ति और गरीब होता जा रहा है,खुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर जिन्दगी मिल सकेगी और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा ? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हकीकत कुछ और है और फसाना कुछ और।

डोनाल्ड ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्व छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए।इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है।इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुड? या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है।इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा।किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो।

ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। यह प्रतिक्रिया बताती है कि भारत में निर्वाचन आयोग को लेकर राजनीतिक विवाद अभी समाप्त नहीं हुआ है।यदि सरकार निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करे तो विपक्ष को संदेह हो सकता है। यदि विपक्ष आयोग पर सवाल उठाए तो सरकार इसे राजनीतिक हमला बता सकती है। लेकिन इन दोनों के बीच संस्थागत निष्पक्षता का प्रश्न कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।निर्वाचन आयोग को न तो सरकार के पक्ष में दिखाई देना चाहिए और न विपक्ष के। उसे केवल संविधान के पक्ष में दिखाई देना चाहिए।

यदि अमेरिका भारत से कुछ सीखना चाहता है तो केवल मतदाता पहचान-पत्र की व्यवस्था को देखकर बात पूरी नहीं हो सकती। भारत की चुनाव प्रणाली एक पूरे संस्थागत ढांचे पर आधारित है। मतदाता सूची, निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्रों का प्रबंधन, चुनावी आचार संहिता, राजनीतिक दलों के साथ संवाद, चुनाव अधिकारियों की तैनाती और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से लेकर मतगणना तक एक विस्तृत व्यवस्था काम करती है।

भारत में चुनाव आयोग को चुनावों के दौरान समान अवसर उपलब्ध कराने और आदर्श आचार संहिता लागू करने की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। संविधान का अनुच्छेद 324 इस पूरे ढांचे की आधारशिला है।

अमेरिका यदि भारतीय अनुभव से कुछ ग्रहण करता है तो उसे केवल पहचान-पत्र नहीं, बल्कि चुनाव प्रबंधन की संस्थागत संरचना पर भी विचार करना होगा। यहां बात केवल अमेरिका को भारत से सीखने की नहीं है। भारत को भी अपने चुनावी तंत्र में लगातार सुधार करते रहना होगा। आज मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। सोशल मीडिया के दौर में चुनावी जानकारी कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। गलत सूचना, डीपफेक, फर्जी वीडियो और डिजिटल प्रचार चुनावी वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और संवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।मतदाता सूची में किसी नागरिक का नाम क्यों जोड़ा गया या क्यों हटाया गया, चुनावी निर्णय किस आधार पर लिया गया, राजनीतिक दलों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई–इन सभी सवालों के जवाब समय पर और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतंत्र के हित में है।डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की ओर ध्यान जाना निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी व्यवस्था को अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा उदाहरण के तौर पर पेश करना भारत की संस्थागत क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है।लेकिन लोकतंत्र में बाहरी प्रशंसा से ज्यादा महत्वपूर्ण आंतरिक विश्वास है।यदि भारत के नागरिक अपने निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं, यदि राजनीतिक दल चुनावी परिणामों को स्वीकार करते हैं और यदि हर मतदाता को यह विश्वास रहता है कि उसका वोट सुरक्षित है तथा उसकी आवाज सुनी जाएगी, तभी चुनाव प्रणाली वास्तव में मजबूत कही जाएगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर न रुके। उसे लगातार खुद को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा।ट्रंप को भारत इसलिए भाया क्योंकि उन्हें अपनी घरेलू राजनीतिक बहस के लिए भारतीय मॉडल में कुछ उपयोगी तत्व दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के लिए उदाहरण बन सकती हैं–बशर्ते हम उनके प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें। चुनाव केवल सत्ता चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव लोकतंत्र में नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का सबसे बड़ा सेतु है। निर्वाचन आयोग उस सेतु का प्रहरी है।

इसलिए ट्रंप की प्रशंसा अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि भारत का आम मतदाता अपने निर्वाचन आयोग के बारे में क्या सोचता है। लोकतंत्र की अंतिम कसौटी वाशिंगटन की प्रशंसा नहीं, बल्कि भारत के मतदान केंद्र पर खड़ा वह सामान्य नागरिक है जो अपने हाथ में मतदाता पहचान-पत्र लेकर यह विश्वास करता है कि उसकी एक-एक वोट की कीमत है। और यही विश्वास भारत के निर्वाचन आयोग की सबसे बड़ी पूंजी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पालमपुर के पास में स्थित इन शानदार हिल स्टेशन को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, बिताएं सुकून के पल

बहुत कम लोग पालमपुर को हिल स्टेशन मानते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

पालमपुर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का एक फेमस और खूबसूरत पहाड़ी शहर है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को बहुत कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास हिल स्टेशनों की तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

अगर आप भी पालमपुर के पास किसी शानदार हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले धर्मशाला का रुख करते हैं। वहीं अगर आप धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में यहां पर देश के कोने-कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – भागसू वाटरफॉल, धर्मकोट, धर्मशाला टी गार्डन, बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह सबसे ज्यादा पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक यहां पर पैराग्लाइडिंग के लिए पहुंचते हैं। यहां पर आप पहाड़ों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठा सकते हैं।

मुख्य आकर्षण – चोकलिंग मठ, गुनेहर वॉटरफॉल, बीर सनसेट पॉइंट, बरोट हिल स्टेशन

बरोट हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित छिपा खजाना माना जाता है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, झील-झरने और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में लोग पार्टनर, परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है।

मुख्य आकर्षण- बरोट मंदिर, लापस वॉटरफॉल, बाडा ग्रान ट्रेक, कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। बता दें कि यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है। कुल्लू अपनी खूबसूरती और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। कई पर्यटक वीकेंड पर लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – फ्रेंडशिप पीक, नग्गर कैसल, भृगु झील

इतिहास, विरासत और हथकरघे की नगरी है चंदेरी

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी (ष्द्धड्डठ्ठस्र्द्गह्द्ध) एक ऐतिहासिक नगर है जो अपने भव्य किलों, प्राचीन स्मारकों, जैन मंदिरों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर न केवल इतिहास प्रेमियों, बल्कि कला, संस्कृति और पारंपरिक वस्त्रों के शौकीनों के लिए भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चंदेरी का ऐतिहासिक महत्व

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण यह नगर व्यापार, विशेष रूप से वस्त्र उद्योग, का एक बड़ा केंद्र रहा है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. चंदेरी किला

बंदरगढ़ पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला 13वीं शताब्दी में बना था और चंदेरी के इतिहास की रक्षा करता प्रतीत होता है। यहां से पूरे शहर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। किले में कौशक महल नामक भव्य महल भी है, जिसे मुगल सम्राट जहांगीर के समय में बनवाया गया था।

2. जौरी की मस्जिद और बड़ी मस्जिद

चंदेरी की मस्जिदें अपनी मुगलकालीन वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। इनका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था और ये आज भी अपनी भव्यता और शांति के लिए जानी जाती हैं।

3. कटी घोड़ी

यह दो स्तंभों पर खड़ी एक अनूठी संरचना है, जो देखने में एक घोड़े के कटे हिस्से जैसी प्रतीत होती है। यह चंदेरी की पहचान बन चुकी है।

4. जैन मंदिर और नालगिरी पर्वत

यहां प्राचीन जैन मंदिरों की श्रृंखला है और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन तीर्थ क्षेत्र एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित है।

चंदेरी की साड़ियाँ

चंदेरी की पहचान सबसे अधिक उसकी चंदेरी साड़ियों से है। ये साड़ियाँ अपनी हल्के वजन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए प्रसिद्ध हैं। रेशम और सूती धागों से बनी ये साड़ियाँ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। चंदेरी शहर के विभिन्न बुनकर मोहल्लों में आज भी पारंपरिक हथकरघा तकनीक से इन साड़ियों का निर्माण होता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन: ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा: ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी)

सड़क मार्ग: चंदेरी झांसी, ललितपुर, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

ठहरने की व्यवस्था

चंदेरी में अब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई होटल और गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल भी हैं जो आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव प्रदान करते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

चंदेरी घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है। सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है और विरासत स्थलों की यात्रा अधिक सुखद होती है।

चंदेरी एक ऐसा नगर है जहां इतिहास की गलियों में कदम रखते ही समय ठहर जाता है। किले, महल, मस्जिदें, जैन मंदिर और हथकरघे की कला— यह सब मिलकर चंदेरी को एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। यदि आप भारतीय संस्कृति, शिल्प और इतिहास से रूबरू होना चाहते हैं, तो चंदेरी की यात्रा अवश्य करें।

भीमबेटका: जहां 30,000 साल पुराना इतिहास आज भी जीवंत है

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

भारत की धरती प्राचीन सभ्यताओं और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर है, और मध्य प्रदेश का भीमबेटका (Bhimbetka) इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्थल न केवल पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इतिहास, कला और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र है। भीमबेटका की गुफाएँ मानव सभ्यता की सबसे पुरानी झलकियों में से एक प्रस्तुत करती हैं।

भीमबेटका का इतिहास

भीमबेटका शैलाश्रय समूह भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में रायसेन ज़िले में स्थित है। इसका नाम महाभारत के भीम पात्र से जुड़ा हुआ माना जाता है। कहा जाता है कि यह स्थान पांडवों के वनवास काल के दौरान उनका विश्राम स्थल रहा था।

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों (UNESCO World Heritage Sites) में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

शैलचित्रों की विशेषताएं

भीमबेटका की गुफाओं में पाए जाने वाले चित्र मुख्यत: लाल, सफेद और कभी-कभी पीले और हरे रंग में बने हुए हैं। इन चित्रों में शिकारी, नर्तक, जानवर, युद्ध दृश्य, सामाजिक गतिविधियाँ और धार्मिक प्रतीक शामिल हैं। यह चित्र मानव जीवन के प्रारंभिक स्वरूप, उनकी जीवनशैली और संस्कृति को उजागर करते हैं।

यहां करीब 750 गुफाएँ हैं, जिनमें से लगभग 15-20 को ही आम पर्यटकों के लिए खोला गया है। सबसे प्रसिद्ध गुफा है फ़ज्योति स्थलफ़, जहाँ मानव आकृतियाँ नृत्य करती हुई दिखाई देती हैं।

पर्यटक अनुभव

भीमबेटका आने वाले पर्यटक एक अनोखे अनुभव का आनंद लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और गुफाओं की जटिल कलाकृति एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। जंगलों से घिरे हुए यह शैलाश्रय सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसे हुए हैं, जो खुद में एक रोमांचक यात्रा बन जाती है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: भोपाल (45 किमी)

रेल मार्ग: भोपाल रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी है।

सड़क मार्ग: भोपाल से टैक्सी या बस के माध्यम से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ठहरने की व्यवस्था

भोपाल शहर में पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के होटल उपलब्ध हैं — बजट से लेकर लक्ज़री तक। भीमबेटका में ठहरने की सुविधा नहीं है, अत: भोपाल में रुकना अधिक सुविधाजनक होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

भीमबेटका की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना और यात्रा के अनुकूल होता है।

भीमबेटका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह मानव सभ्यता के उद्भव और विकास की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। यह उन यात्रियों के लिए एक जरूरी स्थल है, जो इतिहास, संस्कृति और कला में रुचि रखते हैं। एक बार भीमबेटका की यात्रा करना, जैसे समय की सुरंग में प्रवेश कर मानव विकास की प्राचीन यात्रा को प्रत्यक्ष रूप से देखना है।

मिनी पहलगाम के नाम से फेमस है नॉर्थ बंगाल का माझीधुरा, प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग

दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है।

हिमालय की तलहटी से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ पश्चिम बंगाल एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। यह राज्य बंगाल की खाड़ी के किनारे में स्थित दीघा, ताजपुर बीच या उदयपुर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ठीक उसी तरह हिमालय में स्थित सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के लिए भी जाना जाता है। दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माझीधुरा की खासियत और यहां पर घूमने वाली कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माझीधुरा

माझीधुरा दार्जिलिंग से करीब 11 किमी दूर पहाड़ी पर स्थित एक शांत और सुरम्य पहाड़ी गांव है। यह जगह दार्जिलिंग से 11 किमी दूर और सिलीगुड़ी से 74 किमी और पश्चिम बंगाल के मिरिक से करीब 7-8 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है ये जगह

समुद्र तल से करीब 4 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित माझीधुरा बंगाल का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आपको चारों ओर हरियाली, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय के बागान देखने को मिलेंगे।

माझीधुरा में अल्पाइन के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान और झील-झरनों के कारण इस जगह को मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। यह पहाड़ी गांव अपनी स्थानीय परंपरा के लिए भी फेमस है। माझीधुरा को पशु-पक्षियों का घर भी कहा जाता है।

पर्यटकों के लिए है खास

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और मिरिक जैसे हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। जबकि माझीधुरा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर न तो गाड़ी हॉर्न और न होटलों में भीड़ दिखाई देगी। यहां पर आपको सिर्फ प्रकृति और ठंडी-ठंडी हवाओं की आवाजें सुनाई देंगी।

माझीधुरा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पर्यटक कैंपिंग, ट्रैकिंग और हाईकिंग का लुत्फ उठाते हैं। माझीधुरा में गर्मी से लेकर सर्दी तक में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

सोने-चांदी में नरमी

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी में तेज गिरावट रही। ये गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के चलते आई है। सुबह सोने के वायदा भाव में 362 रुपये जबकि चांदी में 2,418 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई। इस बड़ी गिरावट का मुख्य कारण 30 साल के अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड का 19 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना रहा। हालांकि, फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम होने के कारण सोना और चांदी के लिए एक सकारात्मक कारक बना हुआ है, जो भविष्य में कीमतों को सहारा दे सकता है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,410 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 63 प्रति औंस के करीब थी। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, सोने के वायदा भाव 1,54,200 रुपये के स्तर पर थे जबकि चांदी के भाव करीब 2,30,250 के आसपास थे। एमसीएक्स पर सोने के अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत 362 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,900 पर हुई। इसका पिछला बंद भाव 1,54,262 रुपये था। दिन के कारोबार के दौरान, यह अनुबुंध 69 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,193 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जिसने दिन में कीमतें 1,53,900 रुपये के निचला स्तर और 1,54,326 के उच्च स्तर पर पहुंची। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। वहीं चांदी के सितंबर अनुबंध की भी कमजोर शुरुआत रही उसमें 2,418 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 2,30,001 पर खुली। इसका पिछला बंद भाव 2,32,419 रुपये था। कारोबार के समय यह अनुबंध् 2,181 की गिरावट के साथ ही 2,30,238 रुपये पर था, जिसने दिन के दौरान 2,29,666 रुपये का निचला और 2,30,528 रुपये का उच्च स्तर हासिल किया। चांदी इस साल 4,20,048 प्रति किलो के उच्चतम स्तर पर पहुंची। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,391.40 डॉलर प्रति औंस पर खुले, जो अपने पिछले बंद भाव 4,420.60 से कम थे। कारोबार के दौरान यह 11.20 रुपये की गिरावट के साथ 4,409.40 प्रति औंस पर थे। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का रिकॉर्ड उच्च स्तर देखा। इसी तरह, कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 63.42 डॉलर पर खुले, जो पिछले बंद भाव 64.03 डॉलर से नीचे था।

बेहारी लाल इंजीनियरिंग के शेयर को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह

लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर को लेकर मिल रहे मजबूत संकेत

नई दिल्ली,। बेहारी लाल इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने जा रहे हैं। कंपनी के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह है। 17 अगस्त को शेयर आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब सभी की नजर लिस्टिंग पर है। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर को लेकर मजबूत संकेत मिल रहे हैं। बुधवार सुबह शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 133 रुपए चल रहा था। कंपनी ने आईपीओ में शेयर का ऊपरी मूल्य बैंड 285 रुपए तय किया था। इस हिसाब से संभावित लिस्टिंग कीमत करीब 418 रुपए होती है यानी इश्यू मूल्य के मुकाबले करीब 46.67 फीसदी प्रीमियम पर शेयर सूचीबद्ध होने का अनुमान लगाया जा रहा था। हालांकि ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेत होता है और वास्तविक लिस्टिंग कीमत इससे अलग हो सकती है।बेहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 301.62 करोड़ रुपए था। इसमें 93 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए गए, जबकि 208.62 करोड़ रुपए का हिस्सा ऑफर फॉर सेल के जरिए था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 271 से 285 रुपए प्रति शेयर रखा गया था। निवेशकों को न्यूनतम 52 शेयरों के लिए आवेदन करना था। ऊपरी मूल्य बैंड के आधार पर खुदरा निवेशकों का न्यूनतम निवेश 14,820 रुपए था। बता दें कंपनी की स्थापना 1995 में हुई थी। यह लौह और इस्पात से जुड़े उत्पादों के अलावा विभिन्न उद्योगों के लिए इंजीनियरिंग उत्पाद बनाती है। इसके उत्पादों में मेटल रोल्स, इंजीनियरिंग कास्टिंग, मिश्र धातु इस्पात उत्पाद, फोर्जिंग इंगोट्स और फोर्ज्ड शाफ्ट शामिल हैं।31 मार्च 2026 तक कंपनी के ग्राहक आधार में भारत और विदेशों के 1,825 ग्राहक शामिल थे। इसकी विनिर्माण इकाइयां पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में हैं। 31 मई 2026 तक कंपनी के पास करीब 178.57 करोड़ रुपए का ऑर्डर बुक था। अब निवेशकों की नजर इस बात पर है कि शेयर बाजार में लिस्टिंग के दौरान ग्रे मार्केट में दिख रहा उत्साह कितना बरकरार रहता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 325, निफ्टी 76 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट रही। वहीं गत दिवस भी ये गिरा था। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण कच्चे तेज की कीमतें बढ़ने से भी घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है। बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई।

आज कारोबार के दौरान पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, आईटीसी के शेयर गिरे हालांकि, कुछ आईटी शेयरों ने बाजार की इस गिरावट को थामा।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 325.78 अंक की गिरावट के साथ ही 76,909.68 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 76.60 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,078.30 अंकों पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति कमजोर रही। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से केवल 8 के शेयर ही लाभ के साथ बंद हुए। वहीं 21 अन्य में गिरावट रही। इसी तरह, निफ्टी की 50 कंपनियों में से 34 के शेयर नीये आये जबकि केवल 16 में तेजी दर्ज की गई।

सरकारी बिजली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.00 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जो सेंसेक्स के लिए सबसे बड़ा झटका था। इसके विपरीत, आईटी क्षेत्र से एचसीएल टेक का शेयर 1.73 फीसदी की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा

गिरावट दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में बजाज फाइनेंस , एलएंडटी , आईटीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर आदि रहे जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा , टाइटन , टीसीएस , इन्फोसिस और ट्रेंट के शेयरों में तेजी रही। बजाज फिनसर्व के शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहे।

इससे पहले आज सुबह

सेंसेक्स करीब 94.57 अंक की गिरावट के साथ 77,140.89 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाल एनएसई निफ्टी50 भी 38.30 अंक फिसलकर 24,116.60 पर पहुंच गया।वैश्विक बाजारों में भी कमजोरी का सिलसिला जारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजारों में मंगलवार को नैस्डैक कंपोजिट 1.33 फीसदी और एसएंडपी 500 0.69 फीसदी की गिरावट के साथ लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरे। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी लगभग 0.2 फीसदी नीचे बंद हुआ।दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बढ़ा हुआ था। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स लगभग 4.2 फीसदी तक गिर गया।

कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की बढ़ती कीमतों में तेजी आई है। ऐसे में अभी पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने की जगह बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ किसी भ्री तरह से बातचीत करने से इंकार करने के बाद से ही करने के बयान के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतें 91 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। आज सुबह कच्चा तेल 38 सेंट चढ़कर 91.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि डब्लयूटीआई क्रूड 45 सेंट की बढ़त के साथ ही 85.30 डॉलर प्रति बैरल पर था। कच्चे तेल की कीमतों में आये इस उछाल से ईंधन की कीमतें बढ़ना तय है।

एक अनुमान के मुताबिक, एक बैरल कच्चे तेल की कीमत में 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों को प्रति लीटर लगभग 6 रुपये का नुकसान होता है।

वहीं देश में आज पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। इसके साथ ही, एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

बाल यौन शोषण सामग्री कानून का उल्लंघन, मेटा से बातचीत के बाद सरकार सख्त

नई दिल्ली।

अमेरिकी कंपनी मेटा के साथ सरकार की बातचीत के बाद बाल यौन शोषण सामग्री के मुद्दे पर कार्रवाई में तेजी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने साफ कर दिया है कि ऐसी सामग्री कानून का स्पष्ट उल्लंघन है और इस तरह का उल्लंघन होने पर 'सेफ हार्बर' का संरक्षण नहीं मिलेगा। 'सेफ हार्बर' एक कानूनी प्रावधान है जो इंटरनेट मध्यस्थों और सोशल मीडिया मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा 'पोस्ट' की गई सामग्री के लिए कानूनी जिम्मेदारी या मुकदमों से बचाता है।सूत्रों ने बताया कि सरकार का मकसद 'सेंसरशिप' या किसी भी तरह से 'कवरेज' को सीमित करना नहीं है, बल्कि भारतीय कानूनों और नियमों का पालन तय करना और सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान को कम करना है। उन्होंने कहा कि संदेश पहुंच गया है। आईटी मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि मेटा ने सीएसएएम पर बढ़ी हुई संवेदनशीलता और सावधानी दिखाई है और हालिया चर्चाओं के बाद सरकार को कंपनी द्वारा कुछ कार्रवाई होती दिख रही है। सूत्रों ने इस प्रतिक्रिया को 'महत्त्वपूर्ण और उल्लेखनीय' बताया। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि बातचीत में मेटा ने बताया कि उसके 'एल्गोरिदम' और प्रणालियां कैसे काम करती हैं।

एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना बंद- बॉन्ड बाजार पर दबाव, यील्ड में वृद्धि

नई दिल्ली,।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना के समय से पहले बंद होने से बॉन्ड बाजार पर, विशेषकर अल्पावधि बॉन्ड खंड पर दबाव बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच वर्षीय बॉन्ड की यील्ड 6.44 प्रतिशत से बढ़कर 6.46 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

बीते दो कारोबारी सत्रों में पांच वर्षीय बॉन्ड की यील्ड में करीब 10 आधार अंक की वृद्धि दर्ज की गई। 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी 6.81 प्रतिशत से बढ़कर 6.83 प्रतिशत पर बंद हुई। डीलरों का अनुमान है कि अगस्त के अंत तक यह 6.85 प्रतिशत के करीब पहुंच सकती है। गौरतलब है कि आरबीआई की योजना ने पहले अल्पावधि बॉन्ड को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की थी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, कारोबारियों ने एफसीएनआर (बी) के तहत 3 से 5 साल की अवधि के लिए आने वाली जमा की उम्मीद में पांच वर्षीय बॉन्ड में बड़ी पोजीशन बनाई थीं। योजना के अचानक बंद होने से इन पोजीशन को समाप्त किया जा रहा है, जिससे कम अवधि वाले बॉन्ड खंड पर

अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। प्राइमरी डीलरशिप के वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की, कारोबारियों ने 5 वर्षीय बॉन्ड में ज्यादा पोजीशन बनाई थीं और अब उन्हें खत्म किया जा रहा है। एफसीएनआर (बी) स्वैप योजना के समाप्त होने के साथ ही, बाजार का ध्यान अब फिर से वैश्विक कारकों, विशेष तौर पर अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों पर केंद्रित हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एफसीएनआर (बी) सुविधा बॉन्ड बाजार के लिए एक सकारात्मक कारक थी और इसने बाजार को स्थिरता बनाए रखने में मदद की थी।

भारत में डीपटेक फंडिंग का बोलबाला, 11.4 अरब डॉलर का आंकड़ा पार

पिछले छह सालों में आया 85 फीसदी से ज्यादा निवेश

नई दिल्ली।

इंडियन वेंचर ऐंड ऑल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय डीपटेक सेक्टर में वर्ष 2015 से अब तक कुल 11.4 अरब डॉलर का भारी निवेश आया है। इस फंडिंग का 85 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा पिछले छह सालों में ही जुटाया गया है, जो देश के डीपटेक इकोसिस्टम के तेजी से परिपक्व होने और वाणिज्यिक सफलता की ओर बढ़ने का स्पष्ट संकेत देता है। आईवीसीए के आंकड़ों के मुताबिक डीपटेक सेक्टर में निवेश में अभूतपूर्व उछाल आया है। वर्ष 2025 फंडिंग के लिहाज से अब तक का सबसे सफल साल रहा, जब डीपटेक स्टार्टअप्स ने रिकॉर्ड 189 राउंड में 2.9 अरब डॉलर जुटाए। वर्ष 2026 में भी यह गति जारी है और कंपनियों ने 103 राउंड में लगभग 1 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।

2021 के बाद से फंडिंग में आई यह तेजी साफ तौर पर दर्शाती है कि डीपटेक कंपनियां अब शुरुआती चरण से निकलकर वाणिज्यिक मजबूती की ओर अग्रसर हैं।

इस तेजी का प्रमाण हाल के उदाहरणों में देखा जा सकता है, जैसे स्काईरूट एरोस्पेस द्वारा पहले प्राइवेट ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट का सफल लॉन्च और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेसा का 1.2 अरब डॉलर का फंडिंग राउंड, जिसने उसे यूनिकॉर्न का दर्जा दिलाया। 2015 से 2026 के बीच ब्लूम वेंचर्स (51 सौदे), स्पेशल इन्वेस्ट (50 सौदे) और एक्सेल इंडिया (48 सौदे) सबसे सक्रिय डीपटेक निवेशक रहे। इसी अवधि में, डीपटेक कंपनियों ने 61 सौदों के माध्यम से वेंचर ऋण के रूप में कुल 54.4 करोड़ डॉलर की पूंजी भी जुटाई। हालांकि, निवेश से बाहर निकलने (एक्जिट) के लिए विलय एवं अधिग्रहण को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन हकीकत में सबसे ज्यादा सेकंडरी बिक्री (56 फीसदी) ही देखने को मिली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 62 प्रतिशत फंडों ने एक्जिट की स्पष्टता को एक बड़ी चुनौती माना है।

आईपीओ भी एक विकल्प है, लेकिन इसके लिए ग्रोथ-स्टेज कैपिटल की अधिक आवश्यकता होती है।

पिछले साल 18 बिकवाली सौदों से 60 करोड़ डॉलर मिले, जबकि 2024 में 7 एक्जिट से 15.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए। डीपटेक स्टार्टअप वे उद्यम हैं जो नई वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग प्रगति पर आधारित समाधान विकसित करते हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेस-टेक, रक्षा और एयरोस्पेस, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नॉलजी और अन्य उन्नत क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं।

भारत का डीपटेक सेक्टर भविष्य की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.57 पर बंद हुआ। वही गत दिवस रुपया 95.74 पर बंद हुआ। आज सबह रुपया 95.72 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसद टूटकर 99.63 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है।

ओपनएआई ने किशोरों के लिए शुरु किया नया चैटजीपीटी, सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

अभिभावक अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की कर सकेंगे निगरानी

नई दिल्ली,।

ओपनएआई ने 13 से 17 साल की उम्र के किशोर उपयोगकर्ताओं के लिए चैटजीपीटी सेवा शुरू की। कंपनी के मुताबिक इसमें ज्यादा मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और अभिभावकों के नियंत्रण की सुविधा होगी यानी वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी कर सकेंगे। यदि चैटजीपीटी के सिस्टम को शक होता है कि उपयोगकर्ता की उम्र 18 साल से कम है, तो यह नया फीचर अपने आप सक्रिय हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि ऐसे उपयोगकर्ताओं को स्वचालित रूप से किशोरों के लिए चैटजीपीटी अनुभव में रखा जाएगा ताकि उनकी सुरक्षा तय की जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओपनएआई ने कहा कि किशोरों के लिए चैटजीपीटी फीचर सीखने और सुरक्षा सुविधाओं को एकीकृत करता है। इसका उद्देश्य कक्षा के बाहर सक्रिय और सहयोगात्मक सीखने में मदद करना और एआई के ज्यादा सोच-समझ कर और उम्र के अनुरूप उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं में ऐसी सामग्री से सुरक्षा शामिल है, जिसमें खुद को नुकसान पहुंचाने, हिंसा, खतरनाक गतिविधियों या किसी भी तरह की यौन रूप से स्पष्ट सामग्री का चित्रण हो। ओपनएआई

इंडिया में स्ट्रैटजी और वैश्विक मामलों की प्रमुख ने यह जानकारी दी।

टाटा संस एजीएम स्थगित- जल्द होगा अगली बैठक का ऐलान

मुंबई।

टाटा संस को अभूतपूर्व स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मंगलवार को उसकी सालाना आम बैठक (एजीएम) आवश्यक न्यूनतम सदस्यों की संख्या (कोरम) पूरी न होने के कारण स्थगित की गई। कंपनी के 1917 में स्थापित होने के बाद से यह पहली बार है कि उसकी एजीएम न छूटी है और न ही स्थगित हुई है, जिससे समूह के नेतृत्व को लेकर पहले से बनी अनिश्चितता और बढ़ गई है।

एजीएम स्थगन का मुख्य कारण सर रतन टाटा ट्रस्ट्स (एसआरटीटी) पर महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर द्वारा इस साल की शुरुआत में लगी रोक थी, जिससे इसके नामित निदेशकों की भागीदारी प्रभावित हुई। सूत्रों के अनुसार, टाटा संस का बोर्ड अब जल्द ही, संभवतः एक सप्ताह के भीतर, बैठक बुलाएगा।

इसमें स्थगित हुई एजीएम की नई तारीख तय होगी और मौजूदा कानूनी गतिरोध के समाधान पर वरिष्ठ विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी।

इस संभावित बैठक में चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन के 12 अगस्त के पत्र पर भी चर्चा होने की उम्मीद की जा रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे 20 फरवरी 2027 को अपना दूसरा कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए खुद को आगे नहीं रखने वाले है। हालांकि, एक सूत्र के मुताबिक, बोर्ड इस बैठक में अपनी पहले की राय दोहरा सकता है कि चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल मिलना चाहिए। मंगलवार को एजीएम के लिए चेयरमैन चंद्रशेखरन और कुछ बोर्ड सदस्य मुंबई में मौजूद थे, जबकि टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा सहित कई अन्य निदेशक ऑनलाइन शामिल हुए थे।

परंतु, कोरम पूरा न होने से बैठक शुरू होने के कुछ ही समय बाद स्थगित कर दी गई।

डिजिटल भुगतान की बढ़त के बीच नगदी के प्रचलन में नहीं आई गिरावट

आरबीआई ने छह मूल्य वर्गों में सालाना 28 से 30 अरब बैंक नोटों की छपाई की

नई दिल्ली,।

डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के बीच व्यक्तिगत लेन-देन में नकदी की हिस्सेदारी भले ही कम हो रही है, लेकिन प्रचलन में नकदी की मात्रा दो अंकों की दर से लगातार बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू ने कहा कि इससे न केवल भविष्य के लिए नकदी की मांग का अनुमान लगाना कठिन हो गया है बल्कि बैंक नोटों के उत्पादन एवं वितरण क्षमता के लिए आरबीआई की योजना भी जटिल होती जा रही है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में भारत में डिजिटल भुगतान को अपनाना क्रांतिकारी रहा है, लेकिन प्रचलन में नकदी की मात्रा में कोई गिरावट नहीं आई है। ऐसा खास तौर पर ग्रामीण एवं कस्बाई इलाकों में, कम आय वाले लोगों, बुजुर्गों और छोटे कारोबारियों के बीच देखा जा रहा है। मुर्मू ने बताया कि पिछले कुछ सालों में आरबीआई ने छह मूल्य वर्गों में सालाना 28 से 30 अरब बैंक नोटों की छपाई की है और सालाना करीब 21 अरब बैंक नोटों का निपटान किया है। फिलहाल देश में 176 अरब बैंक नोट प्रचलन में हैं। इसके मुकाबले पिछले साल के आखिर में करीब 56 अरब डॉलर बिल और 30 अरब यूरो के बैंक नोट प्रचलन में थे।

उन्होंने कहा कि भारत में यह संख्या कुछ हद तक कम मूल्य वाले नोटों के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से है। इसका मतलब साफ है कि समान मूल्य के लेनदेन के लिए ज्यादा नोटों का आदान-प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने फील्ड ट्रायल के लिए 10 रुपए और 20 रुपए के 1 अरब पॉलिमर बैंक नोट लाने को मंजूरी दे दी है। अगर फील्ड ट्रायल और परिचालन संबंधी आकलन के नतीजे संतोषजनक रहे तो आरबीआई वित्त वर्ष 2028 की शुरुआत से परीक्षण के आधार पर पॉलिमर बैंक नोटों को प्रचलन में लाने की योजना बना रहा है। केंद्रीय बैंक ने पॉलिमर सबस्ट्रेट की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है लेकिन आरबीआई बड़े पैमाने पर जारी करने का फैसला लेने से पहले भारतीय जलवायु और उपयोग की परिस्थितियों में इन नोटों का परीक्षण करेगा। आरबीआई अपने वितरण नेटवर्क को अनुकूलित करके और बैंक नोट ब्रिगेट के निपटान के तरीके में सुधार के जरिये नकदी चक्र में कार्बन की मौजूदगी को कम करने के लिए भी काम कर रहा है।

मुर्मू ने कहा कि डिजिटल भुगतान में तेजी के बावजूद नकदी प्रबंधन केंद्रीय बैंकों के लिए एक प्रमुख जिम्मेदारी बनी हुई है।

इससे भौतिक मुद्रा में जनता के विश्वास को बनाए रखने के महत्त्व का पता चलता है।

दुबई का कमर्शियल रियल एस्टेट बाजार 8.5 फीसदी बढ़कर 65.23 अरब दिरहम हुआ

यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ऑफिस सेगमेंट के बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई

नई दिल्ली,।

दुबई के वाणिज्यिक रियल एस्टेट बाजार ने 2026 की पहली छमाही में मजबूती दिखाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद दुबई में वाणिज्यिक संपत्तियों के लेनदेन का मूल्य बढ़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2026 की पहली छमाही में दुबई के वाणिज्यिक रियल एस्टेट लेनदेन का मूल्य सालाना आधार पर 8.5 फीसदी बढ़कर 65.23 अरब दिरहम हो गया। सौदों की संख्या करीब 13 फीसदी बढ़कर 6,487 हो गई। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ऑफिस सेगमेंट के बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक इस क्षेत्र में लेनदेन का मूल्य करीब 200 फीसदी बढ़कर 15.81 अरब दिरहम हो गया। ऑफिस सेगमेंट में लेनदेन की संख्या भी सालाना आधार पर 38 फीसदी बढ़कर 2,571 हो गई। वहीं, ऑफिस की औसत कीमत 85 फीसदी बढ़कर 3,202 दिरहम प्रति वर्ग फुट पहुंच गई।

एनारॉक समूह में खुदरा और यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि यह प्रमुख कारोबारी जिलों और फ्री जोन में सीमित आपूर्ति के बीच ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की बढ़ती मांग को दर्शाता है। खुदरा संपत्तियों के कारोबार में भी तेज बढ़ोतरी देखी गई। लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 56 फीसदी बढ़कर 853 हो गई।

संक्षिप्त समाचार

जब गोल्ड जीतने पर राष्ट्रगान बजा, वह पल शानदार था

- एरोबिक जिम्नास्टिक्स में इतिहास रचने के बाद अरिहा ने साझा किए अनुभव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय एयरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कुछ हफ्तों पहले एशियन एयरोबिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जिसके साथ वह एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। फिलीपींस में हुए फाइनल में उन्होंने 19.100 अंक हासिल किए, जिसमें आर्टिस्ट्री (कलात्मकता) में 8.650, एग्जीक्यूशन (प्रदर्शन) में 7.600 और डिफिकल्टी (कठिनाई) में 2.850 अंक शामिल थे। इस उपलब्धि के बाद अरिहा ने कहा, जब मुझे यह गोल्ड मेडल मिला, तो वह पल बहुत शानदार था। मैं इसे शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। जब मैंने पोडियम पर अपने देश का राष्ट्रगान बजते हुए सुना, तो उस पल मुझे गर्व भी महसूस हुआ क्योंकि मैं कुछ हासिल कर पाई थी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए। वह बहुत शानदार अनुभव था और मैं उस समय बहुत खुश थी।

22 वर्षीय जिम्नास्ट ने कहा, हम डबल फ्लेक्स फ्लोर, यानी लकड़ी का फ्लोर इस्तेमाल करते हैं। भारत में उत्तराखंड में एक फ्लोर है जो हमें नेशनल गेम्स के दौरान मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से, न सिर्फ मैं, बल्कि पूरे भारत के ज्यादातर जिम्नास्ट उस पर ट्रेनिंग भी नहीं कर पाए। हम आमतौर पर रबड़ इंटरलॉकिंग मैट पर ट्रेनिंग करते हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन में तालमेल बिठाना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। प्रतियोगिता से पहले हमें खुद को ढालने के लिए एक दिन की पोडियम ट्रेनिंग दी जाती है, इसलिए हममें से ज्यादातर जिम्नास्ट को मुश्किल होती है, क्योंकि हमें उस फ्लोर पर कभी ठीक से ट्रेनिंग करने का मौका नहीं मिला। यही वह मुश्किल थी जिसका हमने सामना किया।

World Championship

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस भारतीय जोड़ी ने अब तक टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरू नहीं किया है। सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

मानव सुथार-पडिकल बने जीत के हीरो

इंडिया-श्रीलंका टेस्ट

सीरीज में 1-0 की बढ़त

गॉल में टीम इंडिया की महाजीत

- भारत 600वें टेस्ट में जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर मैच अपने नाम कर लिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने केशरा नुवान्था को बोल्ड कर श्रीलंका की पारी खत्म की और मैच में 10 विकेट पूरे किए।

- श्रीलंका 165 रन से हारा
- मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए
- देवदत्त पडिक्कल का शतक

सुथार ने एक ओवर में 3 विकेट लिए

मानव सुथार ने श्रीलंका की दूसरी पारी के 75वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया। इसके बाद सुथार ने प्रभात जयसूर्या को पहली ही गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में सुथार का लगातार दूसरे मैच में दूसरा 5 विकेट हॉल है।

Football

क्या 2026 विश्व कप की सनसनी केप वर्डे से भिड़ेगी भारतीय टीम?

सितंबर-अक्तूबर में दौरा प्रस्तावित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सितंबर-अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है, दोनों टीमों के बीच दोस्ताना मुकाबले की बातचीत जारी है। केप वर्डे ने 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार नॉकआउट दौर में जगह बनाई थी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आने वाले महीनों में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सितंबर के अंत से अक्तूबर की शुरुआत के बीच हाल में 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है। प्रस्तावित मुकाबला 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, मैच की तारीख और आयोजन स्थल को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। 'बातचीत जारी है, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, इस बात की काफी संभावना है कि भारत 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी करेगा।'

सूत्र ने कहा, 'मैच का आयोजन स्थल और तारीख आधिकारिक तौर पर फैसला होने के बाद तय किए जाएंगे। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं और विचार-विमर्श जारी हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'

'विराट बस एक फोन कॉल दूर हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने विराट कोहली के साथ बिताए समय और उनसे मिली सीख को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कॉक्स ने बताया कि कोहली उनके लिए सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक मेंटर की तरह रहे हैं. जब भी उन्हें किसी सलाह या मदद की जरूरत होती है, विराट हमेशा फोन के दूसरी तरफ मौजूद रहते हैं. जॉर्डन कॉक्स आईपीएल में आरसीबी टीम का हिस्सा हैं. कॉक्स ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के साथ करीब चार महीने भारत में बिताए.

इस दौरान वह कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और उनके अनुभव से सीखने में सक्षम रहे. हालांकि कॉक्स ने दोनों के बीच हुई हर बातचीत का खुलासा नहीं किया, लेकिन डेब्यू से पहले कोहली की दी गई सलाह को उन्होंने बेहद खास बताया।

दिल्ली प्रीमियर लीगः

सार्थक नंबर 1

यश ढुल को छोड़ा पीछे, दिल्ली प्रीमियर लीग में छठा पचासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में सांसद पप्पू यादव के क्रिकेटर बेटे सार्थक रंजन का तूफान जारी है। इस लीग के अपने 7वें मैच में सार्थक ने छठी बार अर्धशतक ठोका है। वहीं वह यश ढुल को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में केकेआर के स्क्वाड का हिस्सा रहे सार्थक रंजन को एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी।

अब इस फॉर्म से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सार्थक ने पुरानी दिल्ली के खिलाफ 32वें मैच में 51 गेंद पर 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के बावजूद उनकी टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत नहीं मिल पाई। इस मैच में 20 रन से जीत के साथ पुरानी दिल्ली 6 ने अंकतालिका में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। सार्थक रंजन ने 100, 64, 95, 65, 57, 59, 10, 78 की पारियां अब तक खेली हैं। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहले से ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 30 रन से मात दी। इस मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली के दोनों इन फॉर्म ओपनर्स सिद्धार्थ जून और यश ढुल खाता भी नहीं खोल सके।

सिनसिनाटी ओपनः

सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है। सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।

शाहीन शाह अफरीदी ने वनडे में पहली बार झटके 7 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टेस्ट टीम तो इंग्लैंड के दौरे पर है. मगर उस टीम से बाहर चल रहे शाहीन शाह अफरीदी के पुराने तेवर लगता है व्हाइट बॉल क्रिकेट में लौट चुके हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में जब मैटर सबसे बड़ा दिखा, तो शाहीन वहां शहंशाह की तरह अपनी टीम के लिए खड़े दिखे. उन्होंने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में ना सिर्फ हैट्रिक ली है, बल्कि गेंद से ऐसी आग बरसाई कि वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. नतीजा, ये हुआ कि उनकी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन बन गई.

शाहीन अफरीदी ने टीम को फ्रंट से किया लीड

नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड और पाकिस्तान ग्रीन की टीमें आमने-सामने थी. इस मुकाबले में शाहीन अफरीदी पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान थे.उनकी टीम ने पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 340 रन बनाए. मतलब बल्लेबाजों ने अपना काम कर दिया था. अब बारी गेंदबाजों की थी. स्ट्राइक गेंदबाज होने के नाते कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने इस काम में अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को फ्रंट से लीड किया.

टीम को बनाया चैंपियन

शाहीन ने गेंद से उगली आग!

पाकिस्तान ग्रीन के सामने पहले से ही 341 रन जैसा बड़ा लक्ष्य था. मगर उसे और भी विकराल बना दिया शाहीन शाह अफरीदी की आग उगलती और विरोधी बल्लेबाजों से सवाल पूछती शाहीन की गेंदों ने. पाकिस्तान ग्रीन के बल्लेबाजों के पास शाहीन की गेंदों का कोई जवाब नहीं था. ऐसे में वो बस एक-एक दम उनके आगे दम तोड़ते दिखे.

शाहीन अफ्रीदी की हैट्रिक

शाहीन अफरीदी की हैट्रिक में पाकिस्तान ग्रीन के जो बल्लेबाज फंसे, उनमें मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनेन का विकेट शामिल रहा. शाहीन के इस हैट्रिक के साथ ही पाकिस्तान ग्रीन की पारी का भी अंत हो गया.

टीम को चैंपियन बनाकर हीरो बने शाहीन अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में अपने वनडे यानी लिस्ट ए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8.3 ओवर में 36 रन देकर कुल 7 विकेट लिए और अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को चैंपियन बनाया. 341 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ग्रीन पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी और 37.3 ओवर में सिर्फ 239 रन पर ऑल आउट हो गई. इस तरह पाकिस्तान गोल्ड ने फाइनल मुकाबला 101 रन के बड़े अंतर से जीत लिया, जिसके हीरो खुद उसके कप्तान शाहीन शाह अफरीदी बने.

पहले 6 ओवर में 3 विकेट, फिर अगली 15 गेंदों में 4 विकेट

शाहीन अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में डाले अपने पहले 6 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए. लेकिन, इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान ग्रीन का और बुरा हाल किया. वो और भी ज्यादा मानो खतरनाक हो गए. उन्होंने अगली 15 गेंदों पर 7 रन देकर 4 और विकेट लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रही.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ज दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3983

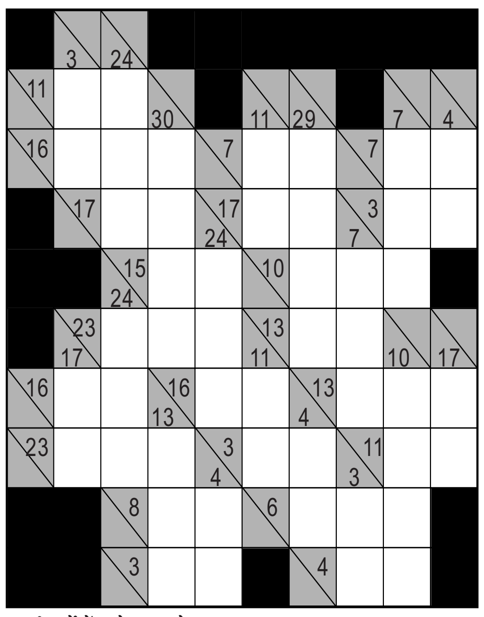

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5; 7 ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3982 का हल

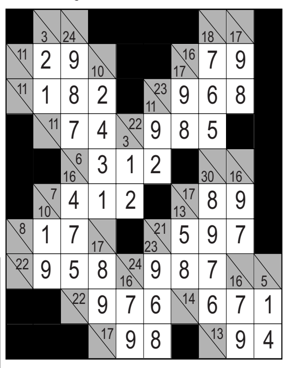

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3983

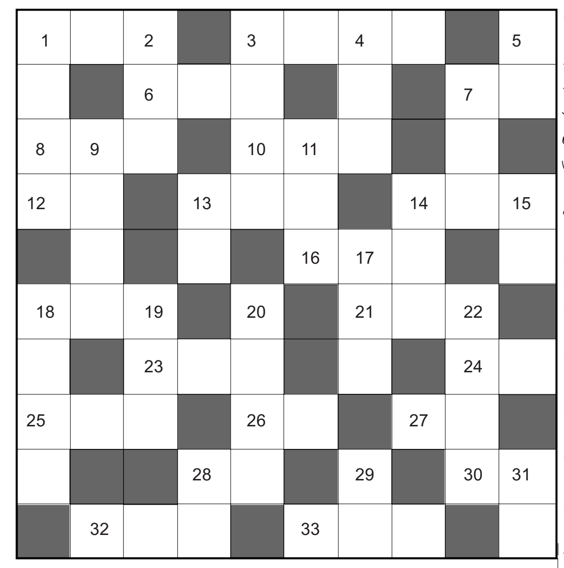

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3982

सूडोकु -3983

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3982 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -3983

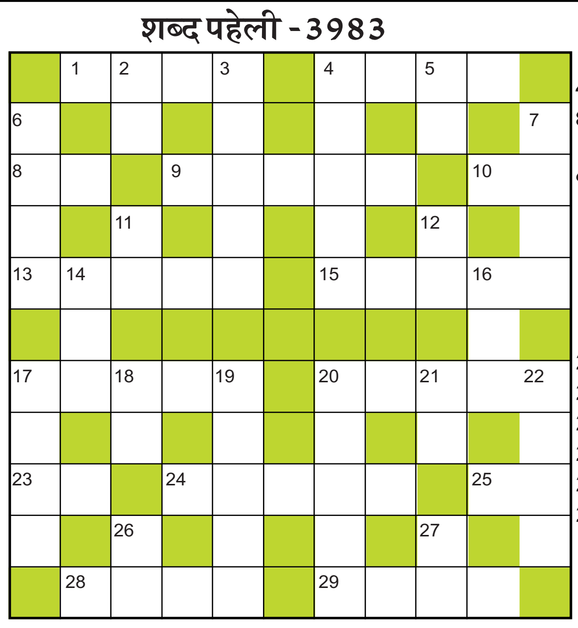

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3982 का हल

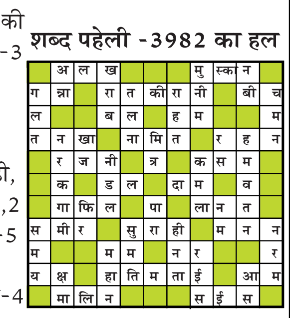

रोजाना खाएं केले

केला हर मौसम में सरलता से उपलब्ध होने वाला अत्यंत पौष्टिक एवं स्वादिष्ट फल है। केला रोचक, मधुर, शक्तिशाली, वीर्य व मांस बढ़ाने वाला, नेत्रदोष में हितकारी है। पके केले के नियमित सेवन से शरीर पुष्ट होता है। यह कफ, रक्तपित्त, वात और प्रदर के उपद्रवों को नष्ट करता है।

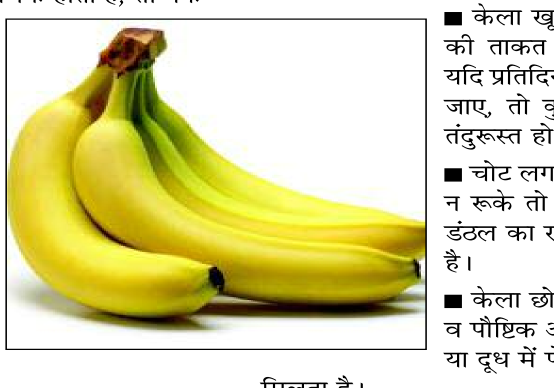

- यदि महिलाओं को रक्त प्रवाह अधिक होता है, तो पके केले को दूध में मसल कर कुछ दिनों तक खाने से लाभ होता है।
- बार-बार पेशाब आने की समस्या से परेशान हों, तो चार तोला केले के रस में दो तोला घी मिलाकर पीने से फायदा होता है।
- यदि शरीर का कोई हिस्सा जल जाए, तो केले के गूदे को मसल कर जले हुए स्थान पर बांधें। इससे जलन दूर होकर आराम मिलता है।
- पेचिश रोग में थोड़े-से दही में केला मिलाकर सेवन से फायदा होता है।
- संग्रहणी रोग होने पर पके केले के साथ इमली तथा नमक मिलाकर सेवन करें।
- दाद होने पर केले के गूदे को नीबू के रस में पीस कर पेस्ट बनाकर लगाएं।
- पेट में जलन होने पर दही में चीनी और पका केला मिलाकर खाएं। इससे पेट संबंधी अन्य रोग भी दूर होते हैं।
- अल्सर के रोगियों के लिए कच्चे केले का सेवन रामबाण औषधि है।
- केला खून में वृद्धि करके शरीर की ताकत बढ़ाने में सहायक है। यदि प्रतिदिन केला खाकर दूध पिया जाए, तो कुछ ही दिनों में व्यक्ति तंदुरूस्त हो जाता है।
- चोट लग जाने पर खून का बहना न रूके तो उस जगह पर केले के डंठल का रस लगाने से लाभ होता है।
- केला छोटे बच्चों के लिए उत्तम व पौष्टिक आहार है। इसे मसलकर या दूध में फेंटकर खिलाने से लाभ मिलता है।
- केले में मैग्नीशियम की काफी मात्रा होती है, जिससे शरीर की धमनियों में खून पतला रहने के कारण खून का बहाव सही रहता है। इसके अलावा पूर्ण मात्रा में मैग्नीशियम लेने से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।
- केले का नियमित सेवन कई रोगों से बचाकर रखता है।

पेट दर्द को साधारण न लें

क्या बेहद परेशान करने वाला पेट का दर्द आपको बेचैन व तनावग्रस्त कर रहा है ? आपकी नींद उड़ा रहा है ? खैर, इससे आपका सिर्फ दिमाग ही परेशान नहीं है बल्कि आपके पेट की गहराई में कुछ गड़बड़ है, आपके बाउल में। यह आईबीएस हो सकता है। इसे स्पास्टिक कोलन भी कहते हैं। आईबीएस फंक्शन बाउल सिंड्रोम है। इसमें हल्का या तेज पेट का दर्द होता है, कब्ज या दस्त और बाउल आदत अदलती-बदलती रहती हैं, लेकिन आईबीएस आंतों को स्थायी नुक्सान नहीं पहुंचाता। आप इसके लक्षणों को सही आहार लेकर नियंत्रित कर सकते हैं। साथ में तनाव प्रबंधन व सही दवाओं की भी जरूरत पड़ सकती है।

लक्षण

आईबीएस के कोई विशेष कारण नहीं हैं। यह अक्सर बड़ी आंत या कोलन की संवेदनशीलता की वजह से होता है। आपको निम्न बातों पर विशेष गौर करना है-

- बड़ी आंत में बेचैनी।
- साल में 10-12 सप्ताह लूज मोशन होना।
- पेट में बार-बार दर्द होना।
- स्टूल में स्पाट/ब्लीडिंग।
- आधी रात में उठकर टायलेट जाना।
- कम समय में अधिक वजन कम होना।
- बाउल आदतों में तब्दीली।
- डिप्रेशन, तनाव एंग्जाइटी।

तनाव

यह बात सुनने में शायद अजीब लगे, लेकिन तनाव की वजह से आईबीएस पीड़ितों में कोलन स्पाजम हो सकते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कोलन की अनेक नर्व दिमाग से जुड़ी होती हैं। यह नर्व कोलन के सिकुड़ने को नियंत्रित करती हैं और जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो पेट में परेशानी पैदा कर देती हैं।

पेट का इलाज

आई बीएस पीड़ित अक्सर जल्दी-जल्दी डाक्टर बदलते रहते हैं, इस सोच के साथ कि किसी के पास तो कोई इलाज होगा, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि यह कोई रोग नहीं है बल्कि फंक्शनल डिसआर्डर है। कुछ दवाएं भी इसे नियंत्रित कर सकती हैं इसलिए अपने डाक्टर से संपर्क करें। सही दिशा-निर्देशों पर अमल करने से समस्या के समाधान में काफी मदद मिल सकती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

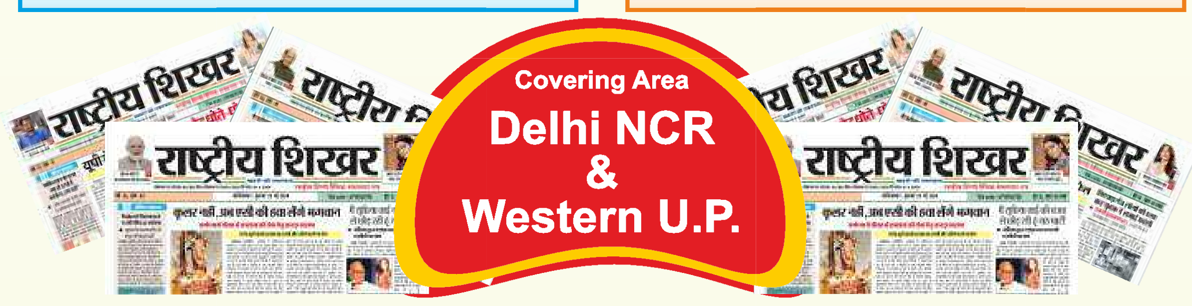

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

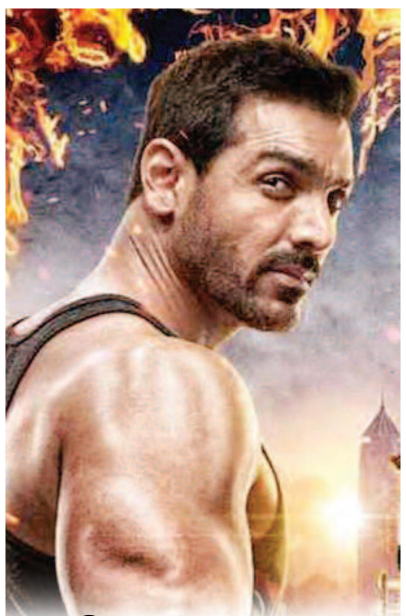

द डिप्लोमैट के बाद फिर साथ काम करेंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर?

फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे।

जॉन को तुरंत पसंद आया फिल्म का कॉन्सेप्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए और तुरंत इसके लिए तैयार हो गए'। जॉन की इस फिल्म को लेकर खबर है कि मेकर्स इस साल के आखिर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में प्रोडक्शन शेड्यूल तय होने की उम्मीद है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को 2027 के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। मेकर्स की ओर से आधिकारिक एलान होने के बाद ही फिल्म के टाइटल, कास्ट और प्रोडक्शन के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

फिल्म 'द डिप्लोमैट' साल 2025 में आई

जॉन अब्राहम और शिवम नायर ने पहली बार फिल्म 'द डिप्लोमैट' में साथ काम किया था। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी। 2025 में आई यह फिल्म उज्मा अहमद की असल जिंदगी की कहानी और पाकिस्तान में बंधक बनाए जाने के बाद भारत लौटने की उनकी कोशिशों पर आधारित थी। जॉन ने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर जे पी सिंह का किरदार निभाया।

जॉन अब्राहम के कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं

शिवम नायर की फिल्म के अलावा जॉन अब्राहम के पास कई और प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'फोर्स 3' शामिल है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 19 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जॉन मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक से भी जुड़े हैं, इसका नाम अभी तय नहीं है। रोहित शेट्टी इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करेंगे।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।'

हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

अब खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती 'द ट्रेटर्स' सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। रिया ने कहा... शो 'द ट्रेटर्स 2' में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा मैं कई साल तक संदेह के घेरे में रहने के बाद खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं। कई साल मैंने लोगों के शक में रहकर गुजारे हैं। मैं अब इसे खत्म करना चाहती हूं। मुझे इस साल क्लीन चिट मिल चुकी है। मैं चाहती हूं कि सब मुझे बेगुनाह समझें।

क्या है 'द ट्रेटर्स 2'

द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस!

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में है। इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

रुक्मिणी वसंत ने शुरू की अपनी अगली फिल्म शूटिंग की

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्ट जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना हक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से क्यों गरमाई सियासत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की। पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक धार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे गुट ने सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। पार्टी प्रवक्ता विनोद चालिसे ने कहा कि सम्मेलन में हुए काम और नेताओं के बयानों पर पार्टी की नजर है। इससे साफ है कि सनातन धर्म और राष्ट्रीय पहचान का मुद्दा केवल नेपाल की व्यापक राजनीति में ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस के भीतर भी मतभेद का कारण बन सकता है।

लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप, किया सम्मानित; मामला क्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था। खतरा समझते ही वह उसकी तरफ दौड़ा। उसने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में लाइफगार्ड अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा करते हैं। उसका पूरा ध्यान बच्चे को जितनी जल्दी हो सके पानी से बाहर निकालने पर था। बचाव की यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बचाव का वीडियो सामने आने के बाद ट्रंप की भी इस घटना पर नजर पड़ी। उन्होंने लाइफगार्ड विलियम्स और उसके परिवार को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया।

खूंखार आतंकी संगठन अल-शबाब का हमला नाकाम, सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 आतंकी ढेर

जाम्बिया, एजेंसी। अफीकी देश जाम्बिया में राष्ट्रपति हकाइंडे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। जाम्बिया के निर्वाचन आयोग ने 18 अगस्त, 2026 को इसकी घोषणा की। उन्हें 14 अगस्त को हुए राष्ट्रपति चुनाव का सीधा विजेता घोषित किया गया। हिचिलेमा ने 51 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। आयोग के अनुसार, हिचिलेमा को 2,965,326 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 वोट प्राप्त हुए। आयोग की अध्यक्ष म्वांगला ज़ालुमिस ने हिचिलेमा को राष्ट्रपति-निर्वाचित घोषित किया। मतगणना 15 अगस्त को मतदान अधिकारियों पर हमले और मतपत्रों की चोरी के कारण निलंबित हुई, फिर कड़ी सुरक्षा में शुरू की गई।

बिग बेंड नेशनल पार्क में सीमा नहीं बनेगी, ट्रंप प्रशासन ने विवादित परियोजना रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने बिग बेंड नेशनल पार्क में एक विवादास्पद सीमा परियोजना का निर्माण अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह निर्णय एजेंसी प्रमुख के टेक्सास दौरे के बाद जमीनी मूल्यांकन के लिए लिया गया है। यह परियोजना दक्षिणी टेक्सास में राष्ट्रीय पार्क से होकर गुजरनी थी। इस परियोजना को आलोचकों के कड़े द्विदलीय विरोध का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि यह क्षेत्र एक प्राचीन पर्यावरणीय इलाका है। उनके अनुसार, यह परियोजना इस क्षेत्र को खराब कर रही है। उनका तर्क है कि क्षेत्र का कठिन और दूरस्थ इलाका पहले से ही प्रवासियों और तस्करों को रोकता है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ही ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है।

जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फाइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर

कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इस स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है : रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा। ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है। अब वाशिंगटन के थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल से जुड़े क्रोनिग ने कहा कि सैन्य अभ्यासों का आकार कम करने से संभवतः इस भरोसे को नुकसान पहुंचता है।

ट्रंप को खुश करने की कोशिश कर रहा दक्षिण कोरिया : ट्रंप ने यह फैसला तब लिया, जब दक्षिण कोरिया उन्हें खुश करने और उनका समर्थन पाने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण कोरिया व्यापार और रक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अमेरिका का साथ चाहता था। पिछले साल नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग जब ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने सबसे पहले वहां की शानदार सजावट की तारीफ की। ओवल ऑफिस को सुनहरे रंग की सजावट से सजाया गया था। ली ने ट्रंप की इस बात का भी समर्थन किया कि अगर वह 2020 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाते, तो किम जोंग उन परमाणु हथियार बनाने की अपनी योजना को आगे नहीं बढ़ाते। ली ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उत्तर कोरिया में ट्रंप टावर बनाया जा सकता है।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगाः ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था।

यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की।

ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था : वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया : राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया। मुकदमा किसने दायर किया था न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था।

मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा : मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है।

एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय कहां है : एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं। दोनों राज्यों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, पास के वर्जीनिया के बजाय मैरीलैंड वाली जगह को चुना गया था।

भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के दावे पर घिरे पीएम बालेन; 26 अगस्त को संसद में विपक्ष करेगा सवालों की बौछार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अगले सप्ताह प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का सामना करेंगे। सदन के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे सवाल-जवाब का सत्र 26 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि प्रतिनिधि सभा नियमावली 2026 के अध्याय-9 के तहत प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर सत्र निर्धारित किया गया है। इस दौरान सदन में मौजूद प्रत्येक राजनीतिक दल से कम से कम एक सांसद प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकेगा। अध्यक्ष ने सांसदों से अपने सवाल संक्षिप्त रखने की अपील भी की। प्रधानमंत्री शाह के संसद में आने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब विपक्ष लंबे समय से उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। दरअसल, 31 मई को संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान शाह ने कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी मिली है कि नेपाल ने भारत के क्षेत्र में भी 'अतिक्रमण' किया है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस बयान को स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नेपाल की ओर से भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की बात कही गई है तो प्रधानमंत्री को उसके समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए या फिर अपना बयान वापस लेना चाहिए। विपक्ष की लगातार मांगों के बाद प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने प्रधानमंत्री को सदन में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए कहा। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, अध्यक्ष ने उन मुद्दों पर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है जो उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े हैं। आर्याल ने कहा कि सांसद लंबे समय से प्रधानमंत्री से महत्वपूर्ण विषयों और उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े मामलों पर सवालों का जवाब देने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने उसकी अलग व्याख्या पेश की थी। मंत्रालय ने कहा था कि शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड में अतिक्रमण' और 'सीमा पार कब्जे' से जुड़ी थी, न कि किसी क्षेत्र पर औपचारिक दावा करने के संदर्भ में। इसके बावजूद विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री से सदन में सीधे स्पष्टीकरण की मांग करते रहे।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

मेयर ने क्या बताया : ओलासो ने रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को

गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया : हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

पुलिस ने क्या कहा : गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा।

पुलिस ने जनता से क्या अपील की : नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। नार्टाटेज ने कहा, नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता-पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इससे पहले जून में मध्य टैकलोबन शहर में हुई गोलीबारी में तीन हाई स्कूल छात्र मारे गए थे और कम से कम 20 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने उस गोलीबारी को अंजाम देने के आरोप में 14 और 15 साल के दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। फिलीपींस में बंदूक के इस्तेमाल से जुड़े अपराध आम हैं, जिसका एक कारण बिना लाइसेंस वाली बंदूकों का बड़ी संख्या में होना है, लेकिन स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं।

बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने क्यों दी कानून में ढील

इयान फ्रिश, एजेंसी। अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल-उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल

कल्याण विभाग में उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी : अमेरिका में फ्री-रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल-उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है। बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं। बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना-कूदना चाहिए।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया : ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है।

सेव अमेरिका एक्ट में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं : ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून

डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

क्या अमेरिका में इस कानून को लेकर सहमति है : सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ट्रंप का तर्क है कि मतदाता की पहचान और नागरिकता की पुष्टि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में भी ऐसे नियम लागू करने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। हालांकि, कानून को लेकर राजनीतिक मतभेद अभी कायम हैं। भारत का उदाहरण देकर ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव व्यवस्था में पहचान पत्र और नागरिकता के सवाल को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

इमरान खान की आंखों में कितना सुधार हुआ? जेल प्रशासन ने सेहत पर सुप्रीम कोर्ट में दी पूरी जानकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों को लेकर जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को अहम जानकारी दी है। रावलपिंडी की अदियाला जेल की ओर से अदालत में दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी नजर अब 'लगभग सामान्य' हो गई है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट में इमरान की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में इलाज कराने की मांग की है। 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनकी आंख की बीमारी जनवरी के अंत में सामने आई थी। उन्हें दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन यानी सीआरवीओ की समस्या बताई गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस कई बार ले जाया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर मुहम्मद आरिफ खान और रावलपिंडी के अलशिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के विट्रियॉ-रेटिनल विशेषज्ञ डॉक्टर नदीम कुरैशी ने उनका इलाज किया।

जेल प्रशासन ने इमरान की सेहत को लेकर क्या दावा किया : जेल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, इलाज के बाद इमरान खान की आंख में काफी सुधार देखा गया और उनकी नजर लगभग सामान्य हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी सेहत की नियमित निगरानी की जा रही है। जेल के चिकित्सा अधिकारी दिन में तीन बार उनकी जांच करते हैं। इस दौरान उनके भोजन की निगरानी के साथ रक्तचाप, हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर जैसे जरूरी स्वास्थ्य मानकों की भी जांच की जाती है। प्रशासन ने कहा कि जेल में रहने के दौरान उनका मेडिकल रिकॉर्ड भी लगातार रखा गया है।

क्या इमरान खान को जेल में पर्याप्त इलाज मिल रहा : जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पर्याप्त स्वास्थ्य

सुविधाएं दी जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने भी दोनों की स्वास्थ्य जांच की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से इमरान की इलाज संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इमरान को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी आंख की हालत में सुधार इसका प्रमाण है।

इमरान खान की पार्टी इस रिपोर्ट पर क्या कह रही : जेल प्रशासन के दावे के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई की ओर से इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट में इमरान का रक्तचाप अधिक पाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान के निजी डॉक्टरों ने पहले उनका रक्तचाप सामान्य पाया था। अफरीदी के अनुसार, इमरान के परिवार, कानूनी टीम और निजी डॉक्टरों को 2 दिसंबर 2025 से उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में कब होगी इमरान की याचिका पर सुनवाई : इमरान खान की इलाज संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई होनी है। तीन सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई करेगी। पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति शाहिद वाहिद करेंगे। इसमें न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम भी शामिल हैं। जेल प्रशासन ने अदालत से इमरान की याचिका को खारिज करने की मांग की है। वहीं पीटीआई का कहना है कि इमरान को किसी विशेष रियायत की मांग नहीं है, बल्कि उन्हें कानून के अनुसार उचित इलाज और न्याय मिलना चाहिए।

फेंटेनाइल पर विवादास्पद रणनीति की समीक्षा, न्यू मेक्सिको ने मुकदमे की धमकी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग के आंतरिक निगरानीकर्ता ने ष्ठश्र की विवादास्पद रणनीति की समीक्षा की घोषणा की है। इस रणनीति में बड़े मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मामले बनाने के लिए फेंटेनाइल को सड़कों पर जाने दिया गया। वर्तमान और पूर्व एजेंटों ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जुआ बताया है। व्हाइट हाउस ने फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया है। यह समीक्षा एसोसिएटेड प्रेस की उस जांच के बाद आई है, जिसमें ष्ठश्र एजेंटों ने न्यू मैक्सिको में फेंटेनाइल खेपों की निगरानी की पर उन्हें जब्त नहीं किया। व्हिसलब्लोअर डेविड हॉवेल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने न्यू मैक्सिको में 卐समुदाय को जहर दिया卐। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने न्याय विभाग पर मुकदमा करने की धमकी दी है। दो अन्य व्हिसलब्लोअर भी सामने आए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)